ज्ञानामृत

जो अंतर को देखता है, बाह्य को नहीं, वही सच्चा कलाकार है।
महात्मा गाँधी

विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | रायपुर, बुधवार, 11 फरवरी 2026 | वर्ष- 09 | अंक- 44 | पेज- 08 | मूल्य- 1 रुपए/-

न्यूज इन शॉर्ट

मणिपुर के उखरुल में हिंसा के बाद 5 दिन के लिए इंटरनेट बंद, कर्फ्यू लागू

उखरुल, एजेंसी। मणिपुर के उखरुल जिला में हालात बिगड़ने के बाद प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। जिले में भड़की हिंसा के चलते पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं और

कर्फ्यू लागू कर दिया गया है। उपद्रवियों ने अलग-अलग इलाकों में आगजनी करते हुए 25 घरों और चार सरकारी क्वार्टरों को फूंक दिया, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया।प्रशासन के अनुसार, हिंसा की घटनाओं को देखते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह फैसला लिया गया है। इंटरनेट बंद करने का उद्देश्य अफवाहों के प्रसार को रोकना और सोशल मीडिया के जरिए तनाव भड़काने की कोशिशों पर लगाम लगाना है। कर्फ्यू के दौरान केवल आवश्यक सेवाओं को ही छूट दी गई है।घटना की जानकारी मिलते ही सुरक्षा बलों की अतिरिक्त टुकड़ियां उखरुल भेजी गई हैं। संवेदनशील इलाकों में गश्त बढ़ा दी गई है।

ब्रिटेन में सत्ता परिवर्तन की आहट, शबाना महमूद बन सकती हैं पहली मुस्लिम प्रधानमंत्री

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की राजनीति में बड़ा उलटफेर संभव है। लेबर पार्टी की वरिष्ठ नेता शबाना महमूद को देश की पहली मुस्लिम प्रधानमंत्री के रूप में देखा जा रहा है।

कश्मीर मूल की शबाना महमूद पार्टी के भीतर मजबूत पकड़ रखती हैं और मौजूदा हालात में उनका नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। दरअसल, प्रधानमंत्री एपस्टीन फाइल्स से जुड़े विवाद के चलते भारी दबाव में हैं। विपक्ष के साथ-साथ सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर भी उनसे जवाबदेही की मांग तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, यदि विवाद और गहराता है तो स्टार्मर की कुर्सी पर खतरा मंडरा सकता है और लेबर पार्टी नए नेतृत्व की ओर बढ़ सकती है।

चांदी में जबरदस्त उछाल, दो दिन में 12 हजार से ज्यादा महंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी की कीमतों में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। मंगलवार को चांदी 3 हजार 759 रुपए उछलकर 2 लाख 57 हजार रुपए प्रति किलो के स्तर

पर पहुंच गई। बीते दो दिनों में ही चांदी कुल 12 हजार 495 रुपए महंगी हो चुकी है, जिससे निवेशकों और खरीदारों में हलचल बढ़ गई है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार औद्योगिक मांग में तेजी, वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेत और डॉलर के मुकाबले रुपए की चाल का असर चांदी की कीमतों पर दिख रहा है। वहीं सोने की कीमतों में भी मजबूती दर्ज की गई है। मंगलवार को सोना 824 रुपए बढ़कर 1 लाख 56 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। जानकारों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ने से सोने-चांदी दोनों में तेजी का रुख बना हुआ है।

टी-20 वर्ल्डकप में भारतीय खिलाड़ियों के साथ परिवार नहीं रहेगा: बीसीसीआई

मुंबई, एजेंसी। टी-20 वर्ल्डकप के दौरान भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों को परिवार के साथ रहने की अनुमति नहीं मिलेगी। टीम मैनेजमेंट की ओर से इस संबंध में अनुरोध किया गया था, लेकिन बीसीसीआई ने इसे स्वीकार नहीं किया। बोर्ड ने साफ

किया है कि टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ी आधिकारिक टीम होटल और तय प्रोटोकॉल के तहत ही रहेंगे। बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में टीम की एकाग्रता और अनुशासन बनाए रखने के लिए यह फैसला लिया गया है। बोर्ड का मानना है कि बड़े टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों को पूरी तरह खेल पर फोकस करना चाहिए, ताकि प्रदर्शन पर किसी भी तरह का असर न पड़े। हालांकि, बीसीसीआई ने यह स्पष्ट किया है कि अगर कोई खिलाड़ी अपने परिवार के साथ अलग से रहना चाहता है तो वह अपने निजी खर्च पर ऐसा कर सकता है।

सीएम हाउस में राज्य सरकार और एसटीपीआई के बीच हुआ एमओयू साइन

स्टार्टअप-इमरजिंग टेक्नोलॉजी से नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगा छत्तीसगढ़: साय

विजय मत, रायपुर

प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध छत्तीसगढ़ अब ज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में भी देश में अपनी अलग पहचान बनाने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। राज्य सरकार की आधुनिक अधोसंरचना, प्रभावी ई-गवर्नेंस व्यवस्था और निवेश-अनुकूल नीतियों के चलते छत्तीसगढ़ आईटी, आईटीईएस और उभरती तकनीकों पर आधारित उद्योगों के लिए एक भरोसेमंद गंतव्य के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने यह बात अपने निवास कार्यालय में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, छत्तीसगढ़ शासन और सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) के बीच हुए महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ केवल खनिज और वन संपदा तक सीमित न रहकर तकनीक आधारित अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर हो। इसी सोच के तहत युवाओं में उद्यमिता को बढ़ावा देने और आईटी एवं आईटीईएस जैसे क्षेत्रों में विश्वस्तरीय अवसर राज्य के भीतर ही उपलब्ध कराने की दिशा में यह एमओयू एक ठोस पहल है।

उद्यमिता और नवाचार को मिलेगा संस्थागत समर्थन

एमओयू के तहत राज्य में सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप और इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एंड डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना की जाएगी। प्रस्तावित सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वन एवं औषधीय उत्पाद आधारित मेडटेक, स्मार्ट सिटी समाधान और स्मार्ट कृषि जैसे चार प्रमुख क्षेत्रों में नवाचार और स्टार्ट-अप को प्रोत्साहित किया जाएगा। यह केंद्र राज्य के नवाचार इकोसिस्टम को एक नई दिशा देने में अहम भूमिका निभाएगा।

हार्डवेयर स्टार्ट-अप्स को मिलेगा अत्याधुनिक प्लेटफॉर्म

इसके साथ ही स्थापित होने वाला ईएसडीडी सेंटर हर वर्ष लगभग 30 से 40 हार्डवेयर स्टार्ट-अप और एमएसएमई को प्रोडक्ट डिजाइन, प्रोटोटाइपिंग, कौशल विकास और क्षमता निर्माण की सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। इससे राज्य में हार्डवेयर और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर उत्पादन और नवाचार को गति मिलेगी।

पलायन पर लगेगी रोक, स्थानीय रोजगार को बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल से प्रदेश के युवाओं को इनक्यूबेशन, मेंटरशिप, फंडिंग और अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं की सुविधा राज्य में ही मिलेगी। इससे उच्च कौशल वाले युवाओं का महानगरों की ओर पलायन रुकेगा और छत्तीसगढ़ में ही रोजगार व उद्यमिता के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने एसटीपीआई के देशभर में 68 केंद्रों और 24 सेक्टर-विशेष सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप के अनुभव को राज्य के लिए अत्यंत लाभकारी बताया।

राष्ट्रीय मानचित्र पर मजबूत होगी छत्तीसगढ़ की पहचान

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह एमओयू राज्य के आर्थिक विकास में मील का पत्थर साबित होगा और छत्तीसगढ़ को डिजिटल नवाचार, तकनीकी उद्यमिता और स्टार्ट-अप के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दिलाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव अंकित आनंद, एसटीपीआई के निदेशक रवि वर्मा, चिप्स के सीईओ प्रभात मलिक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

लोकसभा में स्पीकर को हटाने का प्रस्ताव पेश

100+ सांसदों ने किया समर्थन

अविश्वास प्रस्ताव के फैसले तक सदन में नहीं बैठेंगे स्पीकर ओम बिरला

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद के बजट सत्र के बीच राजनीतिक तापमान बढ़ता ही जा रहा है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्षी दलों ने अविश्वास प्रस्ताव (नो-कॉन्फिडेंस मोशन) का नोटिस मंगलवार को लोकसभा सचिवालय को सौंप दिया। इस प्रस्ताव पर 100 से अधिक सांसदों के हस्ताक्षर हैं, जिसमें कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, लेफ्ट, राजद आदि दलों के सांसद शामिल हैं। विपक्षी सांसदों ने संविधान और नियमों के तहत यह नोटिस लोकसभा महासचिव को सौंपा है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि स्पीकर ने लोकसभा की कार्यवाही में पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाया और विपक्षी आवाज़ों को दबाया है।

स्पीकर का बड़ा निर्णय: फैसले तक नहीं करेंगे अध्यक्षता

अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस के जवाब में स्पीकर ओम बिरला ने कहा है कि जब तक इस प्रस्ताव पर कोई औपचारिक निर्णय नहीं हो जाता, वे लोकसभा की कार्यवाही में अध्यक्षता के लिए सदन की अध्यक्षता कुर्सी पर नहीं बैठेंगे। यह निर्णय उन्होंने लोकतांत्रिक प्रक्रिया और निष्पक्षता को ध्यान में रखते हुए लिया है, जिससे संसद की गरिमा बनी रहे।

प्रक्रिया और आगे की राह

अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस नियम 94(सी) और संविधान के अनुच्छेद 94 के तहत दायर किया गया है। इस प्रस्ताव को संसद द्वारा मान्यता मिलने के लिए कम से कम 50 सांसदों के समर्थन की आवश्यकता होती है, जो इस मामले में पूरा हो चुका है। इसके बाद प्रस्ताव पर बहस तथा मतदान की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी, हालांकि सत्तापक्ष के पास संख्या बल होने के कारण पास होना मुश्किल बताया जाता है।

लापता बच्चों पर शीर्ष कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

केंद्र से सुप्रीम सवाल... क्या इसके पीछे सक्रिय है देशव्यापी संगठित गिरोह?

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में लापता बच्चों के बढ़ते मामलों को गंभीरता से लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से स्पष्ट शब्दों में सवाल किया है कि क्या इन घटनाओं के पीछे कोई देशव्यापी संगठित नेटवर्क काम कर रहा है। अदालत ने केंद्र को निर्देश दिया है कि वह सभी राज्यों से आंकड़े एकत्र कर यह स्पष्ट करे कि यह समस्या राष्ट्रीय स्तर की है या अलग-अलग राज्यों में बिखरी घटनाओं का परिणाम। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि लापता बच्चों के मामलों में कोई पैटर्न, संगठित गिरोह या नेटवर्क होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। अदालत ने केंद्र से कहा कि आंकड़ों के आधार पर स्थिति स्पष्ट की जाए, ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि कुछ राज्य जानकारी देने में टालमटोल करते रहे, तो उनके खिलाफ कड़े निर्देश जारी किए जा सकते हैं। अदालत ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा यह मामला केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि संवैधानिक जिम्मेदारी का विषय है।

20 फरवरी से एआई कंटेंट पर लेबल लगाना अनिवार्य, सरकार का सख्त आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी।

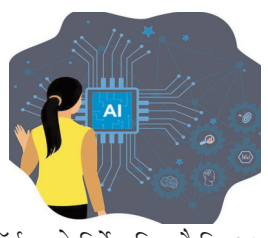

केंद्र सरकार ने एआई से तैयार या एआई की मदद से बदले गए कंटेंट को लेकर बड़ा और सख्त फैसला लिया है। सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को निर्देश दिया है कि 20 फरवरी 2026 से एआई जनित कंटेंट पर स्पष्ट लेबल लगाना अनिवार्य होगा, ताकि यूजर्स यह जान सकें कि कंटेंट वास्तविक है या एआई से बनाया गया है। सरकार ने यह भी साफ किया है कि अगर किसी प्लेटफॉर्म पर डीपफेक वीडियो या फोटो अपलोड होती है और वह भ्रामक, आपत्तिजनक या नुकसानदेह पाई जाती है, तो उसे तीन घंटे के भीतर हटाना होगा। यह आदेश सूचना प्रौद्योगिकी नियमों के तहत जारी किया गया है।

बांग्लादेश में चुनाव से ठीक पहले हिंदू व्यापारी की बेरहमी से हत्या

मतदान के 3 दिन पहले दुकान में हमला, लाश खून से लथपथ मिली

ढाका एजेंसी

बांग्लादेश के मयमनसिंह जिला में आम चुनाव से महज तीन दिन पहले एक 62 वर्षीय हिंदू व्यापारी को निर्मम तरीके से चाकू से हमला कर हत्या कर दिया गया। घटना त्रिशाल उपजिला के बोगर बाजार स्थित दुकान में सोमवार रात लगभग 11 बजे हुई, जहाँ मृतक सुषेन चंद्र सरकार अपने धान के कारोबार से जुड़े थे। पुलिस के मुताबिक, अज्ञात हमलावरों ने धारदार हथियार से उन पर हमला किया और घायल हालत में उनके शव को दुकान के अंदर ही छोड़कर शटर नीचे गिराकर फरार हो गए। परिवार और ग्रामीणों ने जब उन्हें तलाशा, तो खून से लथपथ हालत में शव मिला। शुरुआती जांच में यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हत्या का मकसद लूट, सांप्रदायिक कारण या चुनावी तनाव से जुड़ा है, लेकिन यह घटना देश में मतदान के ठीक पहले बढ़ते तनाव और हिंसा की चिंताओं को और गंभीर कर रही है। यह घटना तब सामने आई है जब बांग्लादेश में 12 फरवरी को राष्ट्रीय संसदीय चुनाव होना है।

किताब विवाद पर पहली बार सामने आए पूर्व थलसेना प्रमुख

किताब न प्रिंट हुई, न डिजिटल रूप में जारी : नरवणे

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व थलसेना प्रमुख मनोज मुकुंद नरवणे ने अपनी पुस्तक फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी को लेकर चल रहे विवाद पर पहली बार सार्वजनिक प्रतिक्रिया दी है। जनरल नरवणे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पेंगुइन इंडिया की ओर से जारी आधिकारिक बयान को रिट्वीट करते हुए पुस्तक की स्थिति स्पष्ट की। पेंगुइन इंडिया ने अपने बयान में कहा है कि कंपनी द्वारा इस पुस्तक की कोई भी प्रति अब तक न तो मुद्रित रूप में और न ही डिजिटल स्वरूप में प्रकाशित, वितरित या बेची गई है। जनरल नरवणे ने इस बयान को साझा करते हुए लिखा कि ÷यह किताब की वर्तमान स्थिति है÷, जिससे उन्होंने प्रकाशक के पक्ष को समर्थन दिया। इस बीच पेंगुइन इंडिया ने एक और विस्तृत स्पष्टीकरण जारी किया। प्रकाशन ने कहा कि किसी पुस्तक की घोषणा, उसका प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध होना और उसका वास्तव में प्रकाशित होना—तीन अलग-अलग प्रक्रियाएं हैं। केवल यह तथ्य कि कोई किताब प्री-ऑर्डर के लिए सूचीबद्ध है, इसका अर्थ यह नहीं होता कि वह प्रकाशित होकर बाजार में उपलब्ध हो चुकी है।

राहुल बोले- कंपनी झूठ बोल रही है या फिर पूर्व सेना प्रमुख

किताब के प्रकाशन को लेकर सामने आए अलग-अलग दावों पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। राहुल गांधी ने सवाल उठाते हुए कहा कि या तो पब्लिशिंग कंपनी झूठ बोल रही है या फिर पूर्व सेना प्रमुख, सच्चाई सामने आनी चाहिए। उन्होंने इस पूरे प्रकरण को गंभीर बताते हुए पारदर्शिता की मांग की।

प्रधानमंत्री ने 'बस्तर पंडुम' के सफल आयोजन की सराहना की

संस्कृति, परंपरा और आदिवासी विरासत को प्रदर्शित करने वाला उत्सव सकारात्मक बदलाव का प्रतीक: मोदी

विजय मत, रायपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में 7 से 9 फरवरी तक सफलतापूर्वक आयोजित सांस्कृतिक उत्सव 'बस्तर पंडुम' के आयोजन की प्रशंसा की है। प्रधानमंत्री ने इस आयोजन को बस्तर की समृद्ध संस्कृति, परंपरा, आदिवासी कला और स्थानीय विरासत को प्रदर्शित करने वाला एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम बताया। मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट के माध्यम से कहा कि यह उत्सव केवल पारंपरिक संस्कृति का प्रदर्शन नहीं था।

बस्तर की बदलती छवि

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि जब पहले बस्तर का नाम आता था, तो माओवादी हिंसा, पिछड़ापन और असुरक्षा जैसे मुद्दे सामने आते थे। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में, बस्तर ने शांति, विकास और संस्कृति के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव देखा है। उन्होंने कहा कि आज यह क्षेत्र टूरिज्म, कला और सांस्कृतिक विरासत की वजह से पहचान बना रहा है।

धर्म के नाम पर भ्रम फैलाने वालों को योगी की चेतावनी

हिंदुस्तान में कानून का पालन अनिवार्य, कयामत तक बाबरी मस्जिद नहीं बनेगी

बाराबंकी, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को बाराबंकी में आयोजित जनसभा में स्पष्ट शब्दों में कहा कि अब ÷कयामत के लिए जीने वालों÷ को देश में कायदे से रहना सीख लेना चाहिए और बाबरी मस्जिद अब कभी नहीं बनेगी। उन्होंने कहा कि भारत की विरासत और सांस्कृतिक गौरव को कमज़ोर नहीं होने दिया जाएगा। सीएम योगी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार रुकने वाली नहीं है और यह जो बोलती है, वही करती है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग बाबरी मस्जिद के पुनर्निर्माण का सपना देख रहे हैं, लेकिन यह सपना कभी पूरा नहीं होगा और इसके लिए कयामत का इंतजार करना व्यर्थ है। उन्होंने कहा कि राम सबके हैं और अयोध्या में गौरवपूर्ण क्षण आ चुका है, जहां भव्य राम मंदिर का निर्माण हो रहा है। सीएम योगी ने यह बात जोर देकर कही कि हिंदुस्तान में कानून का पालन करना हर नागरिक का कर्तव्य है।

विजय मत एंकर | डिजिटल धोखाधड़ी... हजारों करोड़ की ठगी देख सीजेआई हैरान

ठगी की राशि कई छोटे राज्यों के वार्षिक बजट से भी अधिक: सूर्यकांत

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में बढ़ती डिजिटल धोखाधड़ी और हजारों करोड़ रुपये के कथित गबन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान कहा कि सामने आई ठगी की राशि इतनी बड़ी है कि यह कई छोटे राज्यों के वार्षिक बजट से भी अधिक है। इस स्तर की वित्तीय धोखाधड़ी को देखकर न्यायालय स्तब्ध है और यह सीधे तौर पर देश की बैंकिंग व्यवस्था पर बोझ बन चुकी है। मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी करते हुए कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से आम नागरिकों की गाढ़ी कमाई जिस तरह से लूटी जा रही है, वह किसी संगठित अपराध से कम नहीं है। उन्होंने इसे लूट और डकैती के समान करार देते हुए कहा कि तकनीक का दुरुपयोग कर आम लोगों को निशाना बनाया जा रहा है, जबकि संबंधित संस्थाएं समय रहते ठोस कदम नहीं उठा पा रही हैं।

बैंक और एजेंसियों की भूमिका पर सवाल

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने बैंकों की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठाए। न्यायालय ने कहा कि संदिग्ध लेन-देन के बावजूद खातों को समय पर फ्रीज नहीं किया जाना और पीड़ितों को तुरंत राहत न मिलना, सिस्टम की बड़ी खामी को दर्शाता है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि समय रहते समन्वय और सतर्कता बरती जाए, तो बड़े पैमाने पर होने वाली ठगी को रोका जा सकता है।

एसओपी बनाने के निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि भारतीय रिजर्व बैंक, बैंकिंग संस्थानों और दूरसंचार विभाग के साथ समन्वय कर एक प्रभावी स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) तैयार की जाए। इस एसओपी के तहत संदिग्ध ट्रांजैक्शन पर तुरंत कार्रवाई, खाते फ्रीज करने की प्रक्रिया और पीड़ितों को त्वरित राहत सुनिश्चित करने के स्पष्ट प्रावधान हों।

डिजिटल युग में सख्ती की जरूरत

मुख्य न्यायाधीश ने यह भी कहा कि डिजिटल इंडिया के दौर में साइबर अपराधों पर नियंत्रण के लिए कानून और व्यवस्था को तकनीक के अनुरूप तेज़ और प्रभावी बनाना होगा। यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो ऐसे अपराध देश की आर्थिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। न्यायालय ने संकेत दिए कि इस मामले में आगे भी कड़ी निगरानी रखी जाएगी और जिम्मेदार संस्थाओं से जवाबदेही तय की जाएगी।

प्रधान संपादक- विजय शुक्ला। कार्यालय: ■ रायपुर ■ बिलासपुर ■ दुर्ग ■ धमतरी ■ बस्तर ■ कवर्धा ■ कांकेर ■ कोरबा ■ कोरिया ■ जशपुर ■ जांजगीर-चाम्पा ■ मनेंद्रगढ ■ मोहला-मानपुर ■ दन्तेवाड़ा ■ महासमुन्द ■ राजनांदगांव ■ रायगढ़ ■ सरगुजा ■ बलौदाबाजार ■ बालोद ■ मुंगेली ■ बेमेतरा ■ सूरजपुर ■ गरियाबंद ■ सुकमा ■ बलरामपुर ■ कोंडागाँव ■ नारायणपुर

संक्षिप्त समाचार

6 आपदा मृतक के परिवार के लिए कलेक्टर डॉ. कन्नौजे ने की सहायता राशि स्वीकृत

विजय मत/सारंगढ़ बिलाईगढ़ । कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने प्राकृतिक आपदा से दिवंगत हुए जिले के व्यक्तियों के वारिस परिजनों के लिए राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी 6-4) के तहत प्रति परिवार 4 लाख रूपए का राशि स्वीकृत किया है। इसमें सारंगढ़ तहसील के ग्राम जिल्दी में पानी में डूबने से मृतिका नंदनी निराला के पति हरिशचंद निराला, ग्राम ठाकुरपाली के मृतक मोहनलाल टंडन की पत्नी मोंगराबाई, सर्पदंश से हुई मौत प्रकरण में मृतिका वर्षा सिदार की माता गुरूवारी ग्राम परींपथरा तहसील भटगांव और ग्राम सिंघीचुवा के मृतक करमचंद पटेल की पत्नी प्रेमबाई पटेल, आकाशीय बिजली से मृत्यु प्रकरण में मृतक बुधराम चौहान की पत्नी छीबाई चौहान ग्राम गाताडीह तहसील सरसींवा, आग में जलने से मृत्यु प्रकरण में मृतक केदारनाथ साहू की पत्नी सुरेश्वरी साहू के लिए संयुक्त रूप से चार लाख रूपए की आर्थिक अनुदान सहायता स्वीकृत है।

उपस्वास्थ्य केंद्रों में CBC मशीनें बंद, जिपं अध्यक्ष संजय पांडे ने सचिव को लिखा पत्र

विजय मत/सारंगढ़। क्षेत्र के प्राय: सभी स्वा. केंद्रों में CBC मशीनें बंद है जिसके कारण क्षेत्र के बीमार मरीजो को ब्लड टेस्ट के लिए जिला चिकित्सालय आना पड़ रहा है जिसके कारण मरीज और उसके परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है । वहीं उन्हें निजी पैथालॉजी भी जाना पड़ रहा है जिससे आर्थिक नुक़सान भी उठाना पड़ रहा है । इस समस्या के संबंध मे जिपं अध्यक्ष संजय ने स्वास्थ्य सचिव छगशासन को पत्र प्रेषित कर सारंगढ़ क्षेत्र के उपस्वास्थ्य केंद्रों में CBC मशीनो की मरम्मत या नई मशीन देने की मांग की है। पांडे ने बताया कि CBC मशीन की ब्यवस्था हो जाती है तो बीमार मरीजों की परेशानी, साथ ही आर्थिक नुकसानी खत्म हो जायेगी ।

छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति को जीवित रखना हम सबकी जिम्मेदारी है : भूपेश बघेल

छत्तीसगढ़ के अलावा अन्य राज्यों से आए कलाकारों का भूपेश बघेल ने किया सम्मान

विजय मत/ भिलाई

गुरु घासीदास कला एवं साहित्य विकास समिति के द्वारा संस्कृति विभाग छ.ग. शासन एवं दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र नागपुर के सहयोग से आयोजित गनियारी लोककला महोत्सव के समापन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति को जीवित रखने की जिम्मेदारी हम सबकी है।

यहां के पंथी पंडवानी, करमा,ददरिया ने पूरे देश में छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है। ग्रामीण अंचल में इस तरह का आयोजन हो पाना संभव नहीं है, लेकिन महापौर निर्मल कोसरे एवं उनके समिति के साथियों ने जो काम किया है वह प्रशंसनीय है।पद्मभूषण डॉ तीजन बाई ने पंडवानी के माध्यम से पूरे देश में अपना परचम लहराया और राज्य एवं गांव का नाम रोशन किया। उसी तरह से निर्मल कोसरे ने अट्ठारह वर्षों तक इस महोत्सव को आयोजित करके न केवल छत्तीसगढ़ अपितु अन्य राज्यों के कलाकारों को मंच प्रदान करने का काम किया है। गनियारी महोत्सव की पहचान राष्ट्रीय महोत्सव के रूप में हो चुका है। इस सफल आयोजन के लिए ग्रामवासियों एवं समिति के साथी बधाई के पात्र हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में भिलाई चरोदा के सभापति कृष्णा चंद्राकर, सुजीत बघेल, मनोज मढ़रिया, संतोष तिवारी, मोहन साहू, संतोषी निषाद दीप्ति वर्मा सहित पार्षद गण शामिल हुए। सम्मान समारोह भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ के अलावा असम, हरियाणा राजस्थान, मध्य प्रदेश,

गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश के कलाकारों के साथ लोक कलाकार कु. मोनिका वर्मा, पत्रकार रोमशंकर यादव, गीता बंजारे, विरेन्द्र चतुर्वेदी,राकेश साहू का श्रीफल एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम मे आसन परिवार चौंका पार्टी बाराडेरा जिला रायपुर, सात ज्योति पंथी नृत्य डुमर जिला दुर्ग, सुर सुरभि पंडवानी मड़ेली जिला गरियाबंद, जय बाबा रुखड़ नाथ जस झांकी नारधा जिला दुर्ग, संगी के मया नाचा पार्टी इंदामारा जिला राजनांदगांव, लोक संगीत कंचन जोशी, रामदास मानस परिवार बंदौरा जिला कबीरधाम, सफुरा माता बालिका पंथी दल उमरपोटी, कांति बसु लोक रजनी फाक परिवार दैहान बांधा जिला मानपुर मोहला, जय राधा कृष्ण राऊत नाच मंडली खजरी जिला राजनांदगांव, ईशरदेव पूरन जस झांकी बघेरा जिला दुर्ग, विरेन्द्र चतुर्वेदी एवं सुनील सोनी नाइट के अलावा अन्य प्रदेश के पारंपरिक लोकनृत्य असम से बिहू, राजस्थान से कालबेलिया नृत्य, महाराष्ट्र से लावणी , हरियाणा से घुमर नृत्य, मध्यप्रदेश से राई नृत्य, गुजरात से सिद्धी धुमाल, ओडिशा से संबलपुरी नृत्य, उत्तर प्रदेश मथुरा से ब्रज की होली एवं दक्षिण भारत से भरतनाट्यम की रंगारंग प्रस्तुति में दर्शकों को रात भर भाव विभोर कर दिया। स्वास्थ्य शिविर गनियारी महोत्सव स्थल में एन.एस.पी.सी.एल. भिलाई के द्वारा आयोजित नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं ब्लड डोनेशन कैंप में समिति के पन्द्रह सदस्यों ने ब्लड डोनेट किया। छत्तीसगढ़ी व्यंजन का स्टाल महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना भिलाई द्वारा छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का स्टाल विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ था।

कायस्थ सभा-कायस्थ समाज में पूर्ण हुई निर्वाचन प्रक्रिया लक्की अध्यक्ष और शरद सचिव चुने गये

विजय मत/राजनांदगाँव

कायस्थ सभा कायस्थ समाज द्वारा विभिन्न पदों पर निर्वाचन की प्रक्रिया पूर्ण करते हुए अध्यक्ष पद पर लक्की वास्तव, सचिव पद पर शरद वास्तव, उपाध्यक्ष द्वय अनिल वास्तव व आनंद वास्तव, कोषाध्यक्ष पद पर अखलेश वास्तव एवं महिला अध्यक्ष के पद पर मती प्रतिमा अवनिन्द्र लाला को निर्विरोध निर्वाचित किया गया।

कायस्थ सभा कायस्थ समाज के निर्वाचन अधिकारी रोहणीकांत वास्तव ने बताया कि, समाज में लम्बे समय से लंबित निर्वाचन की प्रक्रिया नियमानुसार पूर्ण की गई है। निर्वाचन हेतु सदस्यता अभियान के तहत 5 संरक्षक, 12 क्रियाशील सदस्य एवं 212 साधारण सदस्यता ग्रहण की गई। सभी पदों हेतु एक-एक नामांकन प्राप्त होने के कारण निर्वाचन की प्रक्रिया सम्यक रूप से पूर्ण मानते हुए लक्की वास्तव

को अध्यक्ष, शरद वास्तव को सचिव, अनिल वास्तव व आनंद वास्तव को उपाध्यक्ष, अखलेश वास्तव को कोषाध्यक्ष एवं प्रतिमा अवनिन्द्र लाला को महिला अध्यक्ष पद पर निर्वाचित घोषित किया गया। भगवान चित्रगुप्त जी के मन्दिर में संध्या आरती उपरांत स्वजातीय बंधुओं की उपस्थिति में कृष्णा वास्तव, सुरेन्द्र वास्तव व रोहणीकांत के द्वारा निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर नव निर्वाचित अध्यक्ष लक्की वास्तव ने बताया कि बहुत जल्द कार्यकारिणी का विस्तार कर शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जायेगा। नव निर्वाचित सचिव ने कहा कि हम सब मिलकर सबके सहयोग से कायस्थ समाज को एक नई दिशा देने की कोशिश करेंगे। इस अवसर पर मुख्य रूप से समाज के वरिष्ठ सदस्य एवं संरक्षकगण पोपटलाल , जयनारायण , शिव , आइसी, अतुल , अजय (आदर्श किराया), संतोष ,अजय (जीजे प्रिंटर्स),अजय(ठेकेदार), संतोष लाला, सुनील , अभिनव , मनीष ,अंकित,राकेश, इंदु बाई,मधुबाला ,पुष्पा,हेमलता,प्राची,रामकली उपस्थित थे।

परिश्रम, अनुशासन और धैर्य सफलता की पहली सीढ़ी: इंद्र

बनसांकरा हाई स्कूल के वार्षिकोत्सव में शामिल हुए विधायक साव

विजय मत/सिमगा

ग्राम बनसांकरा के हाई स्कूल में वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन विधायक इन्द्र साव के मुख्य आतिथ्य में एवं ग्राम सरपंच, पंचायत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। स्कूल के प्राचार्य आर के ध्रुव एवं शिक्षकों द्वारा विधायक सहित सभी अतिथियों का फूलमाला एवं बुके भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक इन्द्र साव ने दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में विधायक इन्द्र साव ने विद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों को वार्षिकोत्सव की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि वार्षिकोत्सव केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की प्रतिभा, परिश्रम और आत्मविश्वास को मंच देने का अवसर होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता का मंत्र देते हुए कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, इसके लिए निरंतर परिश्रम, अनुशासन और धैर्य आवश्यक है। लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदार हो तो कोई भी छात्र अपनी मंज़िल अवश्य प्राप्त कर सकता है।

विधायक साव ने अपने छात्र जीवन को याद करते हुए कहा कि वे भी सरकारी विद्यालय में पढ़े हैं, जहाँ सीमित संसाधनों के बावजूद शिक्षकों के मार्गदर्शन और कड़ी मेहनत से आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। उन्होंने कहा कि स्कूल का समय जीवन की सबसे मजबूत नींव होता है, यहीं से संस्कार, अनुशासन और संघर्ष की सीख मिलती है, जो आगे चलकर जीवन में सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने विद्यार्थियों से मोबाइल और सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से बचने, समय का सदुपयोग करने तथा पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर ग्राम सरपंच की मांग पर विधायक इन्द्र साव ने विद्यालय परिसर में साइकिल स्टैंड एवं प्रार्थना शेड निर्माण की स्वीकृति भी प्रदान की। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि शैली भाटिया ने शिक्षकों के सम्मान पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षक दीपक की तरह स्वयं जलकर बच्चों के जीवन को प्रकाशित करते हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन, परिश्रम और ईमानदारी को अपनाकर किसी भी परीक्षा में सफलता पाई जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान विधायक इन्द्र साव ने खेलकूद प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए। वहीं विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया और सामाजिक एकता का संदेश दिया।

धान उठाव एवं मिलिंग कार्य में तेजी लाने कलेक्टर मिश्रा ने की राइस मिलर्स के साथ समीक्षा बैठक

विजय मत/धमतरी

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में खाद्य विभाग के अधिकारियों एवं जिले के समस्त पंजीकृत राइस मिलर्स की बैठक लेकर उपार्जित धान की मिलिंग एवं उठाव की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में अपर कलेक्टर इंदिरा नवीन सिंह देवहारी, खाद्य अधिकारी बसंत कोरम, उप पंजीयक प्रदीप ठाकुर, जिला विपणन अधिकारी सुनील सिंह राजपूत, नोडल अधिकारी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक बलरामपुरी गोस्वामी, प्रबंधक भारतीय खाद्य निगम धमतरी मुरारीलाल मीणा, जिला राइस मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नवीन सांखला, पदाधिकारी राजेश गोलछा सहित धमतरी, कुरूद एवं नगरी क्षेत्र के राइस मिलर्स उपस्थित थे। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने उपार्जित धान की मिलिंग

कार्य को गति देने एवं शेष धान का शीघ्र उठाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय-सीमा में मिलिंग पूर्ण की जाए। साथ ही अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए उपार्जन, मिलिंग, भंडारण एवं वेयरहाउस से संबंधित समस्याओं का त्वरित निराकरण अपने स्तर पर करने के निर्देश दिए।

बैठक में वर्ष 2025-26 के धान उठाव की समीक्षा में बताया गया कि उपार्जित कुल 5,96,499.40 मीट्रिक टन धान के विरुद्ध 2,82,174.90 मीट्रिक टन का डिलीवरी ऑर्डर (डी.ओ.) एवं 1,21,480 मीट्रिक टन का ट्रांसपोर्ट ऑर्डर (टी.ओ.) जारी किया गया है। जारी डी.ओ. एवं टी.ओ. के विरुद्ध कुल 3,40,109.87 मीट्रिक टन धान का उठाव किया जा चुका है, जबकि उपार्जन केंद्रों में 2,56,389.53 मीट्रिक टन धान का उठाव शेष है। मिलर्स द्वारा जमा प्रतिभूति राशि 507.69 करोड़ रुपये है। कलेक्टर श्री मिश्रा ने समस्त राइस मिलर्स को शेष धान के डी.ओ. जारी कर फरवरी 2026 माह में उपार्जन केंद्रों से धान उठाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिला भाजपा कार्यालय में महिला मोर्चा का बजट संवाद कार्यक्रम

विजय मत/सारंगढ़

जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष वैजयंती नंदू लहरें ने बताया कि - 11 फरवरी को 1 बजे जिला भाजपा कार्यालय चंदाई में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा केंद्रीय आम बजट पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया है ।

कार्यक्रम का उद्देश्य बजट में महिलाओं के हित में किए गए प्रावधानों, स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं की जानकारी देना रहा। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश नेतृत्व श्रीमती मंजूषा भगत महापौर अंबिकापुर का आगमन होगा जो महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार की नीतियों पर विस्तार से प्रकाश डालेगी। कार्यक्रम में जिला भाजपा अध्यक्ष ज्योति पटेल व जिपं अध्यक्ष संजय भूषण पांडे विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। लहरें ने केंद्रीय

बजट को जन कल्याणकारी बताते हुए कहा कि - बजट में महिलाओं, युवाओं और गरीब वर्ग के लिए अनेक महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं, जिससे समाज के हर वर्ग को लाभ मिलेगा । इस अवसर पर जिला कार्य समिति एवं भाजपा महिला मोर्चा की नवनियुक्त अध्यक्षों का प्रथम परिचय सम्मेलन भी संपन्न होगा । कार्यक्रम में महिला मोर्चा की जिला, मंडल एवं बूथ स्तर की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं का श्रीफल साल से सम्मानित किया जाएगा ।

पाटन विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उरला बीएमवाय के छात्र बेंगलुरु में हुए सम्मानित

- छात्रों को नवाचार के साथ शिक्षा नव भारत की आवश्यकता : ललित किशोरी

विजय मत/पाटन

सेंटर फॉर एन्वायरमेंट एजुकेशन (सी.ई.ई) के विप्रो अर्थियन पर्यावरण मित्र कार्यक्रम में विप्रो फाउंडेशन के सहयोग से संचालित प्रोजेक्ट पर पाटन विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उरला (बी.एम.वाय) पाटन जिला दुर्ग के पांच छात्रों एवं एक गाइड शिक्षिका को 31 जनवरी को बेंगलुरु में सम्मानित किया गया। शिक्षिका श्रीमती ललित किशोरी साहू के निर्देशन में विद्यालय के छात्रोंद्व कुमारी संध्या साहू, कुमारी भूमिका निषाद,एनिश पटेल, गिरेन्द्र साहू और चंदन विश्वकर्मा ने कचरा

प्रबंधन एवं सस्टेनेबिलिटी विषय पर प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कर सेंटर ऑफ एन्वायरमेंट एजुकेशन लखनऊ को रिपोर्ट भेजी गई थी जहां से इसे राष्ट्रीय स्तर पर मूल्यांकन हेतु बेंगलुरु भेजा गया। इसके पश्चात् इस प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय स्तर पर चुना गया जिसके लिए मार्गदर्शक शिक्षक व पांच छात्रों को विप्रो फाउंडेशन की ओर से सम्मानित किया गया। 28 से 31 जनवरी के बीच अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय बेंगलुरु में आयोजित कार्यक्रम में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के सी.ई.ओ अनुराग बेहर और ई.सी.जी के ग्लोबल हेड और विप्रो फाउंडेशन मैनेजिंग ट्रस्टी पी.एस.नारायण की मौजूदगी में प्रमाण पत्र, विद्यालय को पचास हजार रुपए की धनराशि व शिक्षक और बच्चों को पर्यावरण संरक्षण किट प्रदान की गई। शिक्षिका श्रीमती ललित किशोरी साहू ने बताया कि पूरे देश के लगभग दो हजार प्रोजेक्ट में से राष्ट्रीय स्तर पर 25 प्रोजेक्ट का चयन हुआ है जिसमें से एकमात्र शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उरला (बी.एम.वाय) का चयन हुआ है।

मांदर के थाम में जमकर थिरके छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र के हजारों कोयतुर जन

विजय मत/छुरिया

छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र के कोयतुर गोंड़ समाज के हजारों लोगों की गरीमामयी उपस्थिति में गत 7 एवं 8 फरवरी को डोंगरगढ़ विकास खंड के कोयतुर गोंड़ समाज बाहुल्य ग्राम बैगाटोला (बोरतलाव)में आदिवासी कोयतुर गोंड़ समाज ब्लाक इकाई छुरिया-डोंगरगढ़ के ब्लाक प्रमुख दिनेश कोरेटी दिलेर के कुशल संयोजन एवं सफल नेतृत्व में तथा आदिवासी कोयतुर गोंड़ समाज ब्लाक इकाई छुरिया-डोंगरगढ़ के तत्वावधान में कोयतुर गोंड़वाना सांस्कृतिक युवा महोत्सव सह सामाजिक,शैक्षणिक, संवैधानिक कार्यशाला एवं युवक-युवती परिचय सम्मेलन सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। मांदर के थाम में जमकर थिरके छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र के हजारों कोयतुर जन। कोयतुर गोटुल,प्रभावी कार्यशाला, कोयतुर पोशाक एवं मनमोहक मांदर नृत्य की प्रस्तुति विशेष आकर्षण का केन्द्र रहा इस अवसर पर विधायक दलेश्वर साहू ने रामजीटोला में कोयतुर गोंड़वाना भवन निर्माण के लिए 10 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान करने की घोषणा की। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि डोंगरगांव के विधायक दलेश्वर साहू रहे। अध्यक्षता समाज प्रमुख दिनेश कोरेटी दिलेर ने किया।

स्टंट बाजों पर पुलिस की लगातार कार्रवाई

विजय मत/कसडोल

थाना कसडोल अंतर्गत इन दिनों स्कूलों में शाला विदाई का कार्यक्रम जारी है वही इस विदाई कार्यक्रम में स्कूली बच्चों द्वारा दुपहिया एवं चार पहिया वाहनों से खतरनाक स्टंट बाजी करने की घटना एक के बाद एक सामने आ रही है।वही स्टंट बाजी करने वालों की वीडियो सोशल मीडिया पर चल रही है जहां वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की रही है।

वही ऐसा ही एक मामला आज कसडोल नगर के स्वामी आत्मानंद स्कूल कसडोल में चलते वाहनों में खतरनाक स्टंट कर,उपद्रव करने वाले अनावेदक एवं अवयस्क बालकों पर की गई पुलिस के अनुसार पिछले हफ्ते वायरल वीडियो एवं विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से पता चला कि स्वामी आत्मानंद स्कूल कसडोल के कुछ छात्रों द्वारा शाला विदाई समारोह कार्यक्रम के दौरान सड़क मार्ग एवं स्कूल परिसर में यातायात नियमों का उल्लंघन कर,खतरनाक तरीके से चारपहिया वाहनों से स्टंट किया जा रहा था।

इस दौरान खतरनाक स्टंट करते हुए वाहनों में कई अवयस्क छात्र भी शामिल थे। सूचना पर पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता द्वारा वायरल वीडियो में खतरनाक स्टंट करते हुए दिख रहे अनावेदकों पर कार्यवाही करने हेतु थाना प्रभारी कसडोल को आवश्यक निर्देश दिया गया। उक्त निर्देशों के परिपालन में थाना कसडोल पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए 10 फरवरी मंगलवार को उक्त वायरल वीडियो एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया न्यूज़ के आधार पर पहचान करते हुए संबंधित वाहनों के 04 वाहन चालक/मालिक एवं 12 अवयस्क बालक सहित कुल 16 लोगों को पकड़ा गया।

संभाग स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन 14 एवं 15 फरवरी को

विजय मत/बालोद

संचालनालय, रोजगार एवं प्रशिक्षण नवा रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संभाग स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन 14 एवं 15 फरवरी 2026 को आयोजन किया जा रहा है।

जिला रोजगार अधिकारी बालोद ने बताया कि संभाग स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन 14 एवं 15 फरवरी को रूंगटा इंजीनीयरिंग कॉलेज कोहका भिलाई में निजी क्षेत्र के तकनीकी एवं गैर तकनीकी पदों में चयन हेतु साक्षात्कार लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इच्छुक आवेदकों को उक्त रोजगार मेला में शामिल होने के लिए विभाग की वेबसाईट ईरोजगार डॉट सीजी डॉट इन पर आवेदन किया जाना अनिवार्य है।

इसके साथ ही रोजगार मेला में आवेदक अपने समस्त शैक्षणिक योग्यता के मूल प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं रोजगार पंजीयन कार्ड की छायाप्रति के साथ निर्धारित तिथि एवं स्थान पर उपस्थित हो सकते हैं। इस संबंध में अधिक जानकारी ई-रोजगार पोर्टल की वेबसाईट ईरोजगार डॉट सीजी डॉट इन या जिला रोजगार कार्यालय बालोद के दूरभाष क्रमांक 07749-299509 से संपर्क कर प्राप्त सकते है।

पूर्व माध्यमिक शाला चिचिरदा में हुआ भव्य वार्षिकोत्सव का आयोजन

विजय मत/लवन

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चिचिरदा में छात्र-छात्राओं द्वारा वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन जनपद पंचायत बलौदाबाजार के अध्यक्ष सुलोचना यदु के मुख्य अतिथि एवं सरपंच जितेंद्र प्रभुवा पूर्व सरपंच जितेंद्र लसेर रामलाल पैकरा भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा जिला महामंत्री प्रशांत यदु शाला विकास समिति के सदस्य बृहस्पति पैकरा सुखचरण निषाद भारत निषाद त्रिलोकी नाथ इतवारी निषाद के द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया>

पूर्व माध्यमिक शाला चिचिरदा में छात्र-छात्राओं द्वारा नाटक प्रसंग गीत संगीत के माध्यम से समाज में फैले कुरीतियों को दूर करने के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति पारंपरिक नृत्य सुवा कर्मा पंथी ददरिया की मनमोहक

प्रस्तुति दी गई इस वार्षिकोत्सव के दौरान कक्षा पांचवी और आठवीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर शाला को गौरन्वित करने वाले छात्र-छात्राओं को जिला महामंत्री प्रशांत यदु द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया इस वार्षिक उत्सव को सफल बनाने में संस्था प्रमुख शिक्षक भीज राम वर्मा मनोज ध्रुव नरदू राम पैकरा पापु राम वर्मा रमेश दीवान दिगेश्वर साहू हरेंद्र साहू जागेश्वर चतुर्वेदी प्रभा वर्मा प्रेम पटेल देवहूति दीवान प्यारेलाल पैकरा ललित ध्रुव प्यारेलाल बरेठ प्रमोद यादव का विशेष सहयोग रहा। अंत में आभार प्रदर्शन संस्था के प्रमुख शिक्षक भीजराम वर्मा द्वारा किया गया।

छत्तीसगढ़ के विकास को रफ्तार दे रहा एनएचएआई

बदला सफर का मतलब, मजबूत हुई अर्थव्यवस्था

विजय मत, रायपुर

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) अपने गठन के 31वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। छत्तीसगढ़ जैसे तेजी से विकसित होते राज्य के लिए सड़कें केवल आवागमन का साधन मात्र नहीं हैं, बल्कि ये आर्थिक प्रगति की धमनियां हैं। पिछले वर्षों में एनएचएआई ने राज्य के भौगोलिक नक्शे पर डामर और कांक्रीट से विकास की जो गाथा लिखी है, उसने छत्तीसगढ़ को देश के लॉजिस्टिक और औद्योगिक हब के रूप में मजबूती से स्थापित किया है। आज छत्तीसगढ़ की सड़कें केवल गंतव्य तक पहुँचने का रास्ता नहीं, बल्कि राज्य के सुनहरे भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर रही हैं।

वैश्विक व्यापार की लाइफलाइन - ***एनएच-53***- छत्तीसगढ़ से गुजरने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग-53 जो एशियाई मार्ग-46 का एक अभिन्न हिस्सा है, वर्तमान में राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुका है। महाराष्ट्र सीमा से शुरू होकर राजनांदगांव, दुर्ग, भिलाई, रायपुर, आरंग और सरायपाली होते हुए ओडिशा सीमा तक फैला यह शानदार फोरलेन खंड राज्य की औद्योगिक क्षमता को वैश्विक पहचान दिला रहा है। इसी मार्ग पर आरंग के पास साल 2019 में महानदी पर बना एक किलोमीटर लंबा छत्तीसगढ़ का पहला भव्य सिक्स-लेन ब्रिज इंजीनियरिंग का एक उत्कृष्ट नमूना है। दुर्ग बायपास से लेकर सीमावर्ती क्षेत्रों तक फैला यह राजमार्ग व्यापारिक सुगमता को नई ऊंचाइयां दे रहा है।

फ्लाईओवर और आधुनिक इंटरचेंज- राजधानी रायपुर का टाटीबंध चौक, जो कभी अपनी जटिल बनावट के कारण दुर्घटनाओं का केंद्र था, आज एनएचएआई के इंजीनियरिंग का गौरव है। साढ़े तीन किलोमीटर लंबे स्टैंड-अलोन फ्लाईओवर ने न केवल यातायात को सुगम बनाया है, बल्कि इसे जीरो एक्सीडेंट जोन बनाने की दिशा में भी बड़ी सफलता हासिल की है। इसी तरह बिलासपुर का पेंड्रीडीह इंटरचेंज आधुनिक कनेक्टिविटी का उत्कृष्ट उदाहरण है, जो रायपुर, बिलासपुर और रायगढ़ की ओर जाने वाले भारी वाहनों को बिना किसी बाधा के अपनी मंजिल तक पहुँचाता है।

औद्योगिक क्रांति का नया गलियारा - दुर्ग बायपास- शहरी क्षेत्रों में बढ़ते प्रदूषण और यातायात के दबाव को कम करने 92 किलोमीटर लंबा दुर्ग-रायपुर-आरंग बायपास निमार्णाधीन है। सिक्स-लेन का यह मार्ग मुंबई-कोलकाता कॉरिडोर का हिस्सा होगा, जो राज्य में औद्योगिक निवेश के नए द्वार खोलेगा।

रायपुर-धनबाद कॉरिडोर- छत्तीसगढ़ और झारखंड के बीच की दूरियां अब बीते दौर की बात होने वाली हैं। 627 किलोमीटर लंबा रायपुर-धनबाद आर्थिक गलियारा इन दो राज्यों के रिश्तों को नई मजबूती देगा। इस कॉरिडोर का 384 किलोमीटर का बड़ा हिस्सा छत्तीसगढ़ से होकर गुजरता है। इसके पूर्ण होने से रायपुर से धनबाद का 11 घंटे का सफर मात्र 7 घंटे में सिमट जाएगा।

राजधानी और औद्योगिक केंद्रों का गोल्डन लिंक

एनएचएआई ने छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर, न्यायधानी बिलासपुर और ऊजार्धानी कोरबा को आपस में जोड़? के लिए अभूतपूर्व कार्य किया है। राष्ट्रीय राजमार्ग-130 के माध्यम से रायपुर- से बिलासपुर और वहां से पथरापाली-कटघोरा तक की फोरलेन सड़क ने सफर के समय को आधा कर दिया है। इसी क्रम में चांपा-कोरबा-कटघोरा खंड (ह॥-149क्र) ने कोयला और ऊर्जा क्षेत्र के परिवहन को नई गति प्रदान की है। उत्तर में अंबिकापुर और दक्षिण में धमतरी तक फैले सड़कों के इस जाल ने राज्य के सुदूर कोनों को मुख्य धारा से जोड़ दिया है।

रायपुर-विशाखापट्टनम कॉरिडोर

वर्तमान में निमार्णाधीन परियोजनाओं में सबसे महत्वाकांक्षी 'रायपुर-विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरिडोरइ है। रायपुर से धमतरी और कांकेर होते हुए कोंडागांव के बीच तैयार हो रहा यह 125 किलोमीटर का सिक्स-लेन मार्ग छत्तीसगढ़ को सीधे बंदरगाह से जोड़ेगा। इस परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता राज्य की पहली 3 किलोमीटर लंबी स्मार्ट टनल (सुरंग) है। यह कॉरिडोर बस्तर के घने वनों के बीच से गुजरते हुए पर्यावरण संरक्षण और आधुनिकता के अद्भुत संगम के रूप में उभर रहा है।

मुख्यमंत्री से छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

भूमि गाइडलाइन दरों में संशोधन के निर्णय के लिए जताया मुख्यमंत्री का आभार

विजय मत, रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य सरकार द्वारा जमीन की गाइडलाइन का पुनर्मूल्यांकन कर उसमें रियायत प्रदान करने के निर्णय के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री को गजमाला पहनाकर प्रतिनिधिमंडल ने उनका सम्मान किया। एसोसिएशन के सदस्यों ने कहा कि इस निर्णय से रियल एस्टेट क्षेत्र को नई गति मिलेगी तथा आम नागरिकों को भी राहत प्राप्त होगी।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार जनता के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। भूमि गाइडलाइन दरों में संशोधन करते हुए इस बात का ध्यान रखा गया है कि इससे आम नागरिकों, किसानों, व्यवसायियों सहित सभी वर्ग के लोगों को सहूलियत मिले। उन्होंने कहा कि नई गाडलाइन दरों से आर्थिक विकास को गति मिलेगी।

छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग का बड़ा फैसला जारी हुई कोरोना वॉरियर्स की सत्यापित सूची

भर्ती के लिए संशोधित शेड्यूल घोषित

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ में शासकीय स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और कोरोना काल के संकट मोचकों को उनके समर्पण का समुचित अवसर देने की दिशा में राज्य सरकार ने एक निर्णायक कदम उठाया है। इस महत्वपूर्ण फैसले के तहत उन हजारों अभ्यर्थियों के अनुभव प्रमाण पत्रों की सत्यापित सूची सार्वजनिक कर दी गई है, जिन्होंने महामारी के कठिन दौर में छह माह से अधिक का समय अस्पतालों में निरंतर सेवा देते हुए व्यतीत किया था। संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं द्वारा जारी इस ताजा अपडेट के बाद अब भर्ती प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ अपने अगले चरण में प्रवेश कर चुकी है। विभागीय जानकारी के अनुसार संभाग स्तरीय समितियों द्वारा 30 जनवरी से 8 फरवरी के बीच किए गए गहन भौतिक सत्यापन के परिणामों को आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किया जा रहा है। इस सूची के सार्वजनिक होते ही अब अभ्यर्थियों के लिए दावा-आपत्ति की खिड़की खुल गई है, जिसके तहत वे 16 फरवरी तक अपने संबंधित संभाग के संयुक्त संचालक कार्यालय में जाकर अपनी आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अभ्यर्थी उसी क्षेत्र में अपना पक्ष रखें जहाँ से उनका अनुभव प्रमाण पत्र संबद्ध है, ताकि प्रक्रिया में किसी प्रकार की त्रुटि की गुंजाइश न रहे। यह प्रक्रिया आगामी 19 मार्च को अपने अंतिम मुकाम तक पहुँचेगी। संशोधित समय-सारणी के मुताबिक, 20 फरवरी तक प्राप्त आपत्तियों का त्वरित निराकरण किया जाएगा, जिसके पश्चात 3 मार्च को पहली मेरिट सूची का प्रकाशन होगा।

सार समाचार

छात्राओं ने जाना सी.पी.आर. क्या होता है

विजय मत/रायपुर। गुरुकुल महिला महाविद्यालय में मंगलवार को इंडियन सोसायटी ऑफ एनिस्थियोलॉजिस्ट एवं सुलेह के संयुक्त तत्वाधान में सी.पी.आर. ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। इस ट्रेनिंग के लिए रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल से डॉ. सुधा त्रिवेदी, नारायणा हॉस्पिटल से डॉ. निशांत त्रिवेदी, श्रीमती वनजा भावे, श्रीमती सुधा वाघमारे एवं चंदन तथा अनुपम उपस्थित थे। डॉ. सुधा ने छात्राओं को बहुत ही सरल तरीके से सी.पी.आर. क्या होता है और इसे किस परिस्थिति में दिया जाता है इसकी जानकारी दी। इसके पश्चात सी.पी.आर. किस तरह से दिया जाता है इसका प्रदर्शन मेनीक्वीन में करके दिखाया और सभी से सी.पी.आर. कराया। प्राचार्य डॉ. संध्या गुप्ता ने अतिथियों को धन्यवाद देते हुए छात्राओं को आपातकालीन स्थिति के लिए स्वयं को तैयार एवं जागरुक रहने को कहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रात्रि लहरी द्वारा किया गया एवं धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती शोभा खण्डेलवाल ने किया। लगभग 400 छात्राओं ने इस ट्रेनिंग से लाभ लिया।

आईएएस अंकित आनंद को मिला राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण का अतिरिक्त प्रभार

विजय मत/रायपुर। राज्य सरकार ने अंकित आनंद (भा.प्र.से. 2006) को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ मुख्य कार्यपालन अधिकारी, छत्तीसगढ़ राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है।अंकित आनंद वर्तमान में सचिव, आवास एवं पर्यावरण विभाग, अतिरिक्त प्रभार सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, सचिव, वाणिज्यिक कर (पंजीयन) विभाग तथा अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के पद पर पदस्थ हैं।

युवक ने बाईक की टंकी पर युवती को बैठाकर चलाई बाइक, पुलिस ने काटा एक हजार का चालान

विजय मत/रायपुर। जिले के थाना चारामा जैसाकर्रा के पास नेशनल हाईवे- 30 पर युवक ने बाईक की टंकी पर युवती को बैठाकर बाइक चलाई, जिसका वीडियो भी सामने आया है। इस मामले में यातायात पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवक पर एक हजार रुपए का चालान काटा है। यातायात पुलिस के अनुसार वायरल वीडियो करीब 3 महीने पुराना बताया जा रहा है। मामले पर संज्ञान लेते हुए कांकेर पुलिस ने युवक परमेश्वर विश्वकर्मा (29), निवासी मालगांव छोटेपारा के खिलाफ कार्रवाई की गई है। पुलिस ने दुधावा थाना में पुलिस ने 7 फरवरी 2026 को परमेश्वर विश्वकर्मा के खिलाफ 112/183 (1) एमवी एक्ट के तहत 1000 रुपए का चालान किया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय करेंगे 13 फरवरी को मैनपाट महोत्सव का शुभारंभ

भोजपुरी स्टार मनोज तिवारी और बॉलीवुड सिंगर कनिका कपूर की होगी प्रस्तुति

एडवेंचर स्पोर्ट्स और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से गुलजार होगा छत्तीसगढ़ का शिमला

विजय मत, रायपुर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के शिमला और छोटा तिब्बत के नाम से प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मैनपाट में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय मैनपाट महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। यह महोत्सव रोपाखार जलाशय के समीप 13 से 15 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। इस महोत्सव का आयोजन राज्य शासन के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग और जिला प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल करेंगे। मैनपाट महोत्सव में लोक गीत और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। 13 फरवरी को भोजपुरी सुपरस्टार मनोज तिवारी प्रस्तुति देंगे। साथ ही, छत्तीसगढ़ी गायक सुनील सोनी और ओडिशा का प्रसिद्ध छऊ नृत्य की प्रस्तुति होगी। 14 फरवरी को छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध लोक गायिका अलका चंद्राकर और इंडियन आइडल फेम वैशाली रायकवार अपनी सुरीली आवाज से शाम को यादगार बनाएंगी। 15 फरवरी को महोत्सव का मुख्य आकर्षण बॉलीवुड की मशहूर सिंगर कनिका कपूर होंगी। इसके साथ ही रायगढ़ घराने की कत्थक नृत्यांगना ज्योतिश्री वैष्णव और गायक आयुष नामदेव भी अपनी प्रस्तुति देंगे। इसके साथ ही स्थानीय कलाकार और स्कूली बच्चों के द्वारा भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी।

मैनपाट के प्रमुख आकर्षण

अंबिकापुर मुख्यालय से लगभग 75 किलोमीटर दूर स्थित मैनपाट एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है, जोकि समुद्र तल से 3,781 फीट की ऊंचाई पर है। मैनपाट में बड़ा तिब्बती समुदाय बसा है, जहां का थाकपो शेडुप्लिंग मठ मुख्य आकर्षण है। जलजली- यह एक भूगर्भीय आश्चर्य है जहाँ जमीन दलदली है और कूदने पर स्पंज की तरह हिलती है, इसे म्यूजिकल लैंड भी कहते हैं। उल्टा पानी- यहाँ का पानी ढलान के विपरीत दिशा में बहता है, जो एक अनसुलझा रहस्य है। इसके अलावा टाइगर पॉइंट, मछली पॉइंट, मेहता पॉइंट, सरभंजा जलप्रपात जैसे अनेक दर्शनीय स्थान हैं।

शाला में विदाई समारोह आदि पर शाला प्रबंधन सुरक्षा सुनिश्चित करे: डॉ. वर्णिका

आयोग ने बच्चों के जोखिम भरे कृत्य को नियंत्रित करने के लिए अनुशंसा की

विजय मत, रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने संचालक लोक शिक्षण, सर्व कलेक्टर तथा जिला शिक्षा अधिकारियों को एक लिखित अनुशंसा भेजकर निर्देश जारी करने को कहा है कि बच्चों के अनमोल जीवन को जोखिम भरे करतबों से बचाया जाये। डॉ. वर्णिका शर्मा ने अनुशंसा में लिखा है कि विगत दिनों में समाचार पत्रों के माध्यम से शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों में बच्चों द्वारा विदाई समारोह या अन्य अवसरों पर जोखिम भरे कृत्य करने के दृश्य संज्ञान में आये हैं जैसे बच्चों द्वारा चलते वाहनों पर खिड़कियों से बाहर निकलना, दुपहिया वाहनों के स्टंट, वाहनों की तेज रफ्तार से ड्रायविंग आदि, जिससे बच्चों के अनमोल जीवन को खतरा हो सकता है।

उन्होंने यह लिखा है कि इसमें संदेह नहीं है कि किशोरावस्था में बच्चों में रोमांचक और साहसी कार्यों के प्रति रूझान होता है, परंतु इनसे बच्चों के अनमोल जीवन को खतरा नहीं पहुँचना चाहिए। यदि ऐसे कार्यों पर रोक नहीं लगाई गई तो भविष्य में आने वाले वर्षों में ये जोखिम भरे करतब एक परंपरा का रूप भी ले सकते हैं इसलिए आयोग ने बालक अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग कर यह अनुशंसा की है कि शालाओं में विदाई समारोह या अन्य समारोह को यदि बच्चों द्वारा आयोजित किया जा रहा है तो इसकी सूचना शाला प्रबंधन को होना चाहिए एवं इसका एक प्रोटोकॉल होना चाहिए। ऐसे समारोह गरिमामय तरीके से शिक्षकों की देखरेख में आयोजित किया जावे व शाला प्रबंधन सुनिश्चित करें कि इसमें कोई जोखिम भरे करतब न हों। अन्य अवसरों पर भी ऐसे कृत्यों को आयोजित ना होने देना शाला प्रबंधन की जिम्मेदारी होगी। यदि ऐसी घटनाएँ प्रकाश में आएँ तो तत्काल संबंधित शाला प्रमुख को नोटिस जारी कर कारण भी पूछा जावे व सचेत भी किया जावे। ऐसी घटनाएं प्रकाश में आने पर उचित पुलिस पदाधिकारियों द्वारा बच्चों को शालाओं में जाकर गंभीरता तथा स्नेह के साथ समझाईश दी जाये। उन्होंने अनुशंसा पर शिक्षा विभाग व कलेक्टर्स से कार्यवाही करते हुए आयोग को 20 फरवरी 2026 तक लिखित में अवगत कराने का भी लेख किया है।

वैलेंटाइन डे को लेकर बजरंग दल सख्त, प्रेमी जोड़ों के लिए जारी की चेतावनी

विजय मत, रायपुर

वैलेंटाइन सप्ताह की शुरूआत हो चुकी है। प्रेमी जोड़े अपने प्रेम की अभिव्यक्ति करने के लिए तरह-तरह से तैयारी कर रहे हैं। इस बीच उनके लिए एक टेंशन भरी खबर भी राजधानी रायपुर से सामने आई है, जहां बजरंग दल ने प्रेमी युगलों के लिए सख्त चेतावनी जारी की है।

आज मंगलवार को तेलीबांधा स्थित बजरंगबली के मंदिर में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने हनुमान चालीसा के पाठ के साथ पूजा-अर्चना की। शस्त्र पूजन के साथ बजरंग दल ने प्रेमी युगलों को चेतावनी देते हुए कहा कि हमारी संस्कृति में वैलेंटाइन डे का कोई स्थान नहीं है। 14 फरवरी को वैलेंनटाइन की जगह मातृझ पितृ दिवस मनाएं। यदि युवा इस दिन वैलेंटाइन डे मनाते हैं और भारतीय संस्कृति के मूल्यों के खिलाफ जाकर अश्लीलता फैलाते हैं तो बजरंग दल इसका कड़ा प्रतिकार करेगा और ऐसे युवाओं को सबक भी सिखाएगा।

शस्त्र पूजन के दौरान बड़ी संख्या में मौजूद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी को नुकसान पहुंचाना नहीं है, परंतु भारतीय संस्कृति के पारिवारिक मूल्यों के उल्लंघन को भी वे कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। प्रेम सार्वजनिक प्रदर्शन की चीज नहीं हो सकती। पार्कों, होटलों, सार्वजनिक स्थानों में प्रेम की अभिव्यक्ति के नाम पर फूहड़ता करने वालों के खिलाफ वह कड़ी कार्रवाई कर उन्हें भारतीय संस्कृति से परिचित करवाएंगे।

शिवरीनारायण मेले में बड़ा हादसा : महिला समेत 3 अन्य घायल

आकाश झूला टूटने से 6 लोग गिरे, 2 युवतियों की हालत नाजुक

विजय मत, रायपुर

शिवरीनारायण मेला में आज बड़ा हादसा हो गया। मेले में लगे आकाश झूले के अचानक टूट जाने से झूले पर सवार 6 लोग नीचे गिर पड़े, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में 2 युवतियां और 1 महिला जमीन पर गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि 3 अन्य लोगों को भी चोटें आई है। गंभीर रूप से घायल दोनों युवतियों की हालत नाजुक बताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही मौके पर मौजूद लोगों और प्रशासन की मदद से एंबुलेंस बुलाकर सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घायल युवतियां मलदा गांव की रहने वाली हैं, जो मेला घूमने शिवरीनारायण आई थी। घायलों की पहचान चंद्रकांता कश्यप और भूमिका कश्यप के रूप में हुई है। हादसे के बाद मेले की सुरक्षा और झूलों की फिटनेस को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। फिलहाल प्रशासन पूरे मामले की जांच कर रही है।

अधिवक्ता सुगंधा जैन फिर से सुप्रीम कोर्ट में छत्तीसगढ़ सरकार की स्टैंडिंग काउंसिल नियुक्त

रायपुर। रायपुर निवासी अधिवक्ता सुगंधा जैन को एक बार फिर सर्वोच्च न्यायालय, भारत में छत्तीसगढ़ राज्य सरकार की स्टैंडिंग काउंसिल के रूप में नियुक्त किया गया है। उनकी इस पुनर्नियुक्ति पर रायपुर सहित पूरे प्रदेश में शुभचिंतकों, वरिष्ठ अधिवक्ताओं, विधि जगत से जुड़े लोगों एवं परिवारजनों द्वारा हर्ष व्यक्त करते हुए बधाइयां दी जा रही हैं। इस अवसर पर सुगंधा जैन ने छत्तीसगढ़ शासन के विधि विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, ह्लराज्य सरकार द्वारा पुनः मुझ पर विश्वास जताकर यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है, जिसके लिए मैं कृतज्ञ हूं। आगे भी पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप राज्य के हित में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करती रहूंगी।

18 साल से नहीं हुआ बच्चा तो पति ने फावड़े से कर दी पत्नी की हत्या

विजय मत, कोरबा

कटघोरा थाना इलाके में शादी के 18 साल बाद भी बच्चे न होने और पत्नी के कैरेक्टर पर शक के चलते पति ने फावड़े से पत्नी पर हमला कर उसे मार डाला। घटना के बाद आरोपी मौके से भाग गया, लेकिन सोमवार को पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक गायत्री बस्ती, ढेलवाडीह में रहने वाले तुलसी यादव (37) की शादी करीब 18 साल पहले रंजना यादव (35) से हुई थी। शादी के इतने साल बाद भी दोनों के कोई बच्चे नहीं हुए। इसी वजह से पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़ा होता रहता था। तुलसी यादव पेशे से किसान है। पत्नी रंजना यादव और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ ढेलवाडीह गायत्री बस्ती में रहता है। शादी के 18 साल बाद भी दोनों की संतान नहीं थी।

ऐसे में दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। हाल ही में रंजना अपने मायके ढेलवाडीह मेला देखने गई थी। पति भी मेले में पहुंचा था। वहां से लौटने के बाद रविवार शाम को दंपती में पुरानी बातों को लेकर विवाद हो गया। पति ने फावड़े से पत्नी के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर वार किया।

राष्ट्र को समर्पित
विजय मत
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com
रायपुर, बुधवार, 11 फरवरी 2026

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

केवल इच्छा करने से कोई व्यक्ति नैतिक नहीं बन जाता

आधुनिक मूल्यों ने जहाँ एक ओर वास्तविक उपलब्धियाँ दी हैं, वहीं पारंपरिक नैतिक अवधारणाओं को गंभीर क्षति भी पहुँचाई है, इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता। आधुनिकता के आलोचक महत्वपूर्ण प्रश्न उठाते हैं, लेकिन वे अक्सर उन ऐतिहासिक परिस्थितियों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं जिनसे आधुनिक मूल्य उत्पन्न हुए।आधुनिकता से पूर्व यूरोप या समग्र रूप से विश्व का जीवन प्रायः कठोर, पदानुक्रमित और अनेक मामलों में अमानवीय था। व्यक्ति का कल्याण अक्सर सामाजिक संस्थाओं के अधीन पूरी तरह दबा दिया जाता था, यहाँ तक कि कई बार व्यक्तिगत गरिमा स्वयं पाप के समान मानी जाती थी। कृषिदासता (दासप्रथा) इस बात का स्पष्ट उदाहरण है कि किस प्रकार व्यक्ति का दमन क्रूर सीमाओं तक पहुँच सकता था। सभी मनुष्यों को मनुष्य नहीं माना जाता था; बहुसंख्यक लोगों के साथ पशुओं या संपत्ति (चैटल) जैसा व्यवहार किया जाता था। ऐसे बाज़ार थे जहाँ मनुष्यों को गाय, भैंस या घोड़े की तरह खरीदा-बेचा जाता था, और इस पर धर्म मौन बना रहा, जो मानव इतिहास के तर्क में एक वास्तविक पाप था।

आधुनिकता की ओर संक्रमण ने केवल व्यक्तियों को मुक्त ही नहीं किया, बल्कि दीर्घकाल से चले आ रहे सामाजिक बंधनों और सुरक्षा के रूपों को भी नष्ट कर दिया। इस टूटन ने अस्थिरता और अराजकता को जन्म दिया, जिसे उस समय जिस रूप में धर्म संस्थागत था, वह न तो संभाल सका और न ही उसका कोई अर्थपूर्ण विकल्प दे सका। जैसे-जैसे आधुनिक आर्थिक शक्तियाँ उभरीं, औद्योगिक उत्पादन से जुड़ी बाज़ार-आधारित अर्थव्यवस्थाएँ, धार्मिक संस्थाएँ इन नई प्रणालियों के साथ गहराई से उलझती चली गईं। भविष्यवाणी-सदृश नैतिक आलोचना प्रस्तुत करने के बजाय, चर्च ने एक ओर मध्ययुगीन सामाजिक सत्ता संरचनाओं को बचाए रखने का प्रयास किया और दूसरी ओर आधुनिक आर्थिक विस्तार में भागीदारी भी की। इस अंतर्विरोध ने उसकी नैतिक विश्वसनीयता को कमजोर कर दिया। ऐतिहासिक उदाहरण इस विफलता को स्पष्ट करते हैं। स्पेनिश और पुर्तगाली औपनिवेशिक साम्राज्यों के साथ चर्च की संलिप्तता तथा प्रारंभिक है।

सूचना

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

द्रोण-एकलव्य का मिथ्यांकन : भारतीय स्मृति पर वामपंथी वैचारिक आक्रमण

कैलाश चन्द्र

> द्रोणाचार्य को अत्याचारी, एकलव्य को शोषित, और समूची गुरु-शिष्य परम्परा को सामंती-जातिवादी घोषित करना वामपंथी विमर्श की पुरानी रणनीति है। पर सच्चाई यह है कि उस युग में द्रोण राजगुरु थे, राजधर्म से बंधे थे, और युद्ध-राजनीति के नियमों का पालन कर रहे थे। उन्हें अपनी शिक्षा का संतुलन और हस्तिनापुर की रणनीतिक संरचना बनाए रखनी थी। यह निर्णय आलोचना से परे नहीं है, पर उसे आज की जातिगत-राजनीति में फिट कर देना वैचारिक अपराध है, लेकिन आधुनिक विमर्श की समस्या यह है कि वह कथा को इतिहास मान लेता है और इतिहास को राजनीतिक ईंधन। जो लोग आज द्रोणाचार्य को दलित-विरोधी कहकर कोसते हैं, वे यह नहीं बताते कि एकलव्य स्वयं निषाद-राजा का पुत्र था, आदिवासी समाज में जन्मा एक युवा नहीं है।

भारतीय संस्कृति पर आक्रमण तलवारों से नहीं, कथाओं से हुआ है। जो सभ्यता पाँच हज़ार वर्ष तक किसी विदेशी साम्राज्य के सामने नहीं झुकी, वह बीते पचास वर्षों में एक अजीब हथियार से घायल हुई—कथा-विकृति से। महाभारत के द्रोणङ्कएकलव्य जैसा प्रसंग, जो गुरु-शिष्य परम्परा और तपस्या का प्रतीक था, उसे मार्क्सवादी-वामपंथी विचारों ने शोषण का प्रतीक बना दिया। यह केवल कहानी का अपहरण नहीं था, बल्कि एक समूची संस्कृति के नैरेटिव को तोड़कर उसे अपराधी साबित करने की संगठित साजिश थी।

जब कोई सभ्यता अपने नायकों को समझना छोड़ दे और शत्रु उसके लिए व्याख्या तैयार करे—तो पराजय सिर्फ समय की बात रह जाती है। यही भारत ने सहा है।आज ''अब किसी द्रोणाचार्य को एकलव्य का अंगूठा नहीं कटवाने दिया जाएगा'' जैसे वाक्य नए युग के राजनीतिक 'बज़ वर्ड' बन चुके हैं। पर यह वाक्य जितना सुनने में कर्णप्रिय है, उतना ही कपटपूर्ण भी। यह वाक्य भारतीय परम्परा पर दोषारोपण की एक निरंतर प्रक्रिया का हिस्सा है।

द्रोणाचार्य को अत्याचारी, एकलव्य को शोषित, और समूची गुरु-शिष्य परम्परा को सामंती-जातिवादी घोषित करना वामपंथी विमर्श की पुरानी रणनीति है। पर सच्चाई यह है कि उस युग में द्रोण राजगुरु थे, राजधर्म से बंधे थे, और युद्ध-राजनीति के नियमों का पालन कर रहे थे। उन्हें अपनी शिक्षा का संतुलन और हस्तिनापुर की रणनीतिक संरचना बनाए रखनी थी। यह निर्णय आलोचना से परे नहीं है, पर उसे आज की जातिगत-राजनीति में फिट कर देना वैचारिक अपराध है, लेकिन आधुनिक विमर्श की समस्या यह है कि वह कथा को इतिहास मान लेता है और इतिहास को राजनीतिक ईंधन। जो लोग आज द्रोणाचार्य को दलित-विरोधी कहकर कोसते हैं, वे यह नहीं बताते कि एकलव्य स्वयं निषाद-राजा का पुत्र था, आदिवासी समाज में जन्मा एक युवा नहीं—एक शक्तिशाली जनजातीय राजकुमार। परंतु वामपंथी विचारधारा की मजबूरी है कि उसे पीड़ितङ्कशोषित मॉडल चाहिए, इसलिए एकलव्य को उत्पीड़ित आदिवासी बना दिया गया। भारत की विविधता को समझने की जगह उसे वर्ग-युद्ध की कसौटी पर बांटा गया।

यह कथा-अपहरण अकेला नहीं है। होलिका-प्रह्लाद का प्रसंग भी इसी तरह विकृत किया गया। शास्त्रों में होलिका राक्षसी है, अपने ही भतीजे को मारने का प्रयत्न करने वाली अधर्म की प्रतीक। परंतु वामपंथी व्याख्याओं में उसे ''पितृसत्तात्मक उत्पीड़न का शिकार स्त्री'' कह दिया गया, और प्रह्लाद जैसे भक्त-बालक को ''धार्मिक कट्टरता द्वारा प्रभावित बाल मन'' कहकर प्रस्तुत किया गया। यह वही पद्धति है जिसमें राक्षस नायक और नायक अपराधी बनाए जाते हैं, ताकि समाज स्वयं से घृणा करना सीखे।इसी तर्ज़ पर रावण को ''द्रविड़ नायक'' और राम को ''आर्य आक्रांता'' कहा गया। दुर्गा को ''आर्य देवी'' और महिषासुर को ''आदिवासी नायक'' घोषित कर दिया गया। वामपंथी विश्वविद्यालयों में ''महिषासुर शहादत दिवस'' मनाया जाता है, ताकि देवी-पूजा पर प्रश्नचिह्न लगाया जा सके। यह वही रणनीति है—कथा बदलो, अर्थ बदलो, और समाज की स्मृति को खोखला कर दो।यहाँ तक कि श्रीकृष्ण को भी नहीं छोड़ा गया। भारत के महानतम दार्शनिक राजनीतिक नायक कृष्ण को ''चरवाहा कबीले का बाहुबली'' कहा गया और गीता को ''युद्ध का औचित्य साबित करने का ग्रंथ''। बुद्ध को ''पहला विद्रोही'' और कबीर को ''धर्म विरोधी सुधारक'' घोषित किया गया—जबकि दोनों भारतीय संस्कृति के भीतर से उपजे दिव्य सूत्रधार थे।

यह सब इसलिए किया गया ताकि भारतीय समाज अपनी संस्कृति पर संदेह करे, अपनी परंपरा को बोझ समझे, और आने वाली पीढ़ियाँ अपने नायकों से विमुख हो जाएँ। कथा अपहरण ही वैचारिक उपनिवेशवाद की पहली सीढ़ी है। यह वही करतूत है जो औपनिवेशिक इतिहासकारों ने रामायण महाभारत को ''काल्पनिक कबीलाई संघर्ष'' कहकर की थी। आज वही कार्य भारत के भीतर बैठे वैचारिक एजेंट कर रहे हैं।द्रोण एकलव्य की कहानी को समझने के लिए हमें 'युगधर्म' और 'राजधर्म' की दृष्टि अपनानी होगी। द्रोण स्वयं लक्ष्य, नियम और संतुलन के प्रतीक थे। वे कठिन निर्णय लेने वाले गुरु थे, कोई निजी स्वार्थी ब्राह्मण नहीं। अगर द्रोण में जातीय अहंकार होता तो वे वेद धनुर्वेद दोनों के ज्ञान का प्रसार राजकीय सीमाओं से बाहर नहीं करते। पर उन्होंने किया। परंपरा में द्रोण को कभी अत्याचारी नहीं कहा गया; उन्हें न्यायधर्म का पालन करने वाला कठोर किंतु निष्पक्ष शिक्षक माना गया। पर आधुनिक वामपंथी विमर्श इन्हें उसी चश्मे से देखता है जिससे वह हर उद्योगपति को पूँजीपति और हर ब्राह्मण को शोषक घोषित करता है।

लेकिन आज का भारत द्रोणाचार्य को शोषक नहीं मानता। आज का भारत तो हर गाँव में खड़े सरकारी शिक्षक, हर खेल कोच, हर NCC ट्रेनर और हर गुरुकुल के आचार्यों को द्रोणाचार्य का अवतार मानता है—जो हर एकलव्य को अवसर देने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। आज लाखों एकलव्य स्पोर्ट्स स्कूल, एकलव्य आवासीय विद्यालय और आदिवासीयुवा मंच स्थापित हैं, जहाँ कोई अंगूठा नहीं कटता बल्कि हथियार, कलम, कंप्यूटर और कला का अभ्यास दिया जाता है।

एकलव्य का असली खतरा आज कहीं और है। आज उसका अंगूठा कटाने की कोशिश वे लोग कर रहे हैं जो उसे खतना और बपतिस्मा के चक्र में घसीटना चाहते हैं। वे मिशनरी व्यवस्थाएँ जो आदिवासी क्षेत्रों में प्रवेश कर उसकी भाषा, उसकी संस्कृति, उसके देवता और उसकी परंपराओं को खा जाती हैं। यह प्रक्रिया द्रोणाचार्य नहीं करते—यह काम उन लोग का है जो अपने हाथ का भला चाहते हैं, जिनके लिए एकलव्य मात्र ''डेटा पॉइंट'' है, ''कन्वर्ज़न लक्ष्य'' है, ''राजनीतिक वोट ब्लॉक'' है।द्रोण ने कभी एकलव्य की पहचान नहीं छीनी। पर आज जो शक्तियाँ सक्रिय हैं, वे एकलव्य को ''एकलव्य'' ही नहीं रहने देना चाहतीं। उसे ''अंधभक्त आदिवासी'' कहकर अपमानित करती हैं, और फिर उसी क्षण उसे अपने धर्म राजनीतिक जाल में फँसाती हैं। यही वास्तविक अंगूठा कटाई है—जहाँ पहचान, परंपरा और संस्कृति का अंगूठा काट लिया जाता है, ताकि अगली पीढ़ी कभी अपने पूर्वजों को पहचान ही न सके। और कथाविकृति का खेल यहीं नहीं रुकता। जैसे 'शंबूक वध' को ब्राह्मणवाद का अत्याचार बताया गया, जबकि अनेक शास्त्रीय व्याख्याओं में वह ''आत्मघाती तंत्रङ्कअनुष्ठान'' और ''राजकीय मर्यादा भंग'' से जुड़ा प्रसंग था।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) - साभार

केल्विन का असिस्टेंट से जेनेटिक साइंटिस्ट तक का रहा सफर

संजय गोस्वामी

केल्विन ब्लैकमैन ब्रिजेस एक अमेरिकी जेनेटिसिस्ट थे जिन्होंने हेरेडिटी और सेक्स क्रोमोसोम की नींव रखने में मदद की। केल्विन ब्लैकमैन ब्रिजेस एक जाने-माने अमेरिकी जेनेटिसिस्ट थे जो कोलंबिया यूनिवर्सिटी में थॉमस हंट मॉर्गन के फ्लाई रूम पर अपने काम के लिए जाने जाते थे। उनका जन्म 11 जनवरी, 1889 को शूयलर फॉल्स, न्यूयॉर्क में हुआ था। वे हेरेडिटी की क्रोमोसोम थ्योरी को डेवलप करने में एक अहम व्यक्ति थे। वे एक अमेरिकी जेनेटिसिस्ट थे जिन्होंने फ्रूट फ्लाई, ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर का इस्तेमाल करके हेरेडिटी में क्रोमोसोम की भूमिका तय की। उन्होंने 1910 में थॉमस हंट मॉर्गन के लैब असिस्टेंट के तौर पर यह ट्रैक करना शुरू किया कि इसके क्रोमोसोम में म्यूटेशन ने हेरेडिटी को कैसे बदला। ब्रिजेस ने सेक्स क्रोमोसोम को अलग करने में होने वाली नैचुरल गलतियों का इस्तेमाल करके यह दिखाया कि क्रोमोसोम की गलत संख्या से अजीब फ्रूट फ्लाई पैदा होती हैं। ऐसी गलतियों को नॉनडिसजंक्शन कहा जाता है क्योंकि क्रोमोसोम ठीक से जुड़े नहीं होते हैं, जिससे गैमीट में सेक्स क्रोमोसोम की एक एक्स्ट्रा कॉपी होती है या बिल्कुल नहीं होती। उन्होंने मक्खी म्यूटेंट के नाम रखने के लिए एक नोमेनक्लेचर सिस्टम बनाया। उन्होंने ड्रोसोफिला जीन को लार के क्रोमोसोम में बैंडिंग पैटर्न से जोड़ा। ÷कोलंबिया यूनिवर्सिटी (1909) में एडमिशन लेने के एक साल बाद, ब्रिजेस ने वहां जेनेटिसिस्ट थॉमस हंट मॉर्गन के लिए लैब असिस्टेंट की नौकरी कर ली। उन्होंने और मॉर्गन ने फ्रूट फ्लाई, ड्रोसोफिला मेलानोगास्टर का इस्तेमाल करके एक एक्सपेरिमेंटल डिज़ाइन बनाया, जिससे पता चला कि कीड़े में जेनेटिक बदलाव उसके क्रोमोसोम में बदलाव में दिख सकते हैं। इन एक्सपेरिमेंट से ÷जेनेटिक मैप÷ बने और क्रोमोसोम इनहेरिटेंस की थ्योरी पक्की हुई। ब्रिजेस ने मॉर्गन और अल्फ्रेड हेनरी स्टर्टवेंट के साथ मिलकर 1925 में ये नतीजे पब्लिश किए। उसी साल, उन्होंने सेक्स इन रिलेशन टू क्रोमोसोम्स एंड जीन्स पब्लिश किया, जिससे पता चला कि ड्रोसोफिला में सेक्स न सिर्फ सेक्स क्रोमोसोम्स (एक्स और वाय) से तय होता है, बल्कि यह क्रोमोसोम बैलेंस का नतीजा है—जो फीमेल सेक्स नंबर क्रोमोसोम्स (एक्स) और नॉन सेक्स क्रोमोसोम्स (ऑटोसोम्स) की संख्या के बीच का है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानव दर्शन को साकार कर रही नरेन्द्र मोदी सरकार

सुरेन्द्र शर्मा

> पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिन्होंने भारत के स्व को पहचानकर भारतीयता के आधार पर भारत के स्वर्णिम भविष्य का स्वप्न देखा जिन्होंने समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति की भी चिंता की और कहा बिना समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का उद्धार हुए राष्ट्र का अपने बल पर खड़ा होना मुश्किल है "अंत्योदय से ही राष्ट्रोदय" संभव है का मंत्र देने वाले आज की भारतीय जनता पार्टी के प्रेरणापुंज और जनसंघ के आधार स्तंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को नियति ने 11 फ़रवरी 1968 को देश से छीन लिया पर उनके बताए मार्ग पर चलकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की केन्द्र सरकार एवं देश के 19 राज्यों की भाजपा एवं भाजपा गंठबंधन की सरकारें दीनदयाल जी के स्वप्न को साकार कर रही हैं। इसका एकात्म मानव दर्शन का मूल उद्देश्य है।

भारत को अगर विश्व गुरु बनाना है तो उसका आधार केवल भारत का ही चिंतन हो सकता है , पश्चिम के आधार पर चलकर हम केवल पश्चिमी देशों के पिछलग्गू तो बन सकते हैं हम दुनिया का नेतृत्व नहीं कर सकते,भारत को अपने स्व को पहचानकर आगे बढ़ना होगा।यह चिंतन आधुनिक भारत के समस्त मनीषियों का रहा है इस चिंतन को एकात्म मानव दर्शन के रूप में प्रतिपादित करने वाले थे भारतीय जनसंघ के तत्कालीन राष्ट्रीय महामंत्री पंडित दीनदयाल उपाध्याय।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिन्होंने भारत के स्व को पहचानकर भारतीयता के आधार पर भारत के स्वर्णिम भविष्य का स्वप्न देखा जिन्होंने समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति की भी चिंता की और कहा बिना समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का उद्धार हुए राष्ट्र का अपने बल पर खड़ा होना मुश्किल है अंत्योदय से ही राष्ट्रोदय संभव है का मंत्र देने वाले आज की भारतीय जनता पार्टी के प्रेरणापुंज और जनसंघ के आधार स्तंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी को नियति ने 11 फ़रवरी 1968 को देश से छीन लिया पर उनके बताए मार्ग पर चलकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की केन्द्र सरकार एवं देश के 19 राज्यों की भाजपा एवं भाजपा गंठबंधन की सरकारें दीनदयाल जी के स्वप्न को साकार कर रही हैं।।

एकात्म मानव दर्शन का मूल उद्देश्य मनुष्य को केवल आर्थिक प्राणी न मानकर उसे शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का समन्वित रूप मानना है। यह दर्शन भारतीय संस्कृति, परंपरा और जीवन मूल्यों पर आधारित है। वर्तमान समय में यदि भारत की राजनीति में इस दर्शन की व्यावहारिक अभिव्यक्ति देखी जाए, तो प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में इसके तत्व स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं।

एकात्म मानव दर्शन का आधार यह है कि समाज, राष्ट्र और व्यक्ति एक-दूसरे से अलग नहीं हैं, बल्कि एक अखंड इकाई के रूप में जुड़े हुए हैं। यह दर्शन पश्चिमी विचारधाराओ पूंजीवाद और साम्यवाद दोनों से भिन्न है। जहाँ पूंजीवाद व्यक्ति को केंद्र में रखता है और साम्यवाद राज्य को, वहीं एकात्म मानव दर्शन समाज और संस्कृति को केंद्र में रखता है।

इस दर्शन के अनुसार विकास केवल भौतिक नहीं, बल्कि नैतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक भी होना चाहिए। अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास पहुँचाना ही इसका उद्देश्य है, जिसे अंत्योदय कहा गया है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने शासन को केवल सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि सेवा का साधन माना है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का नारा एकात्म मानव दर्शन की भावना को ही प्रतिबिंबित करता है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार की योजनाएँ एकात्म मानव दर्शन की अंत्योदय अवधारणा को साकार करती हैं।

प्रधानमंत्री जन-धन योजना ने गरीबों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा। प्रधानमंत्री जनधन योजनामें अब तक कुल लाभार्थी संख्या लगभग 57.11 करोड़ लोगों तक पहुंच चुकी है। जिनमें देश भर के नागरिक शामिल हैं और ये संख्या लगातार बढ़ रही है इन खातेधारकों में ग्रामीण और शहरी दोनों शामिल हैं, तथा इन खातों के माध्यम से लाभार्थियों को बैंकिंग, डेबिट कार्ड, बीमा, पेंशन तथा डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर जैसे कई लाभ दिए जाते हैं। इन खातों के खुलने के बाद सरकार की योजनाओं से मिलने मिलने वाली राशि सीधे हितग्राहियों को प्राप्त हो रही है और बिचौलियों से जनता को राहत मिली है।

उवला योजना के माध्यम से महिलाओं को धुएँ से मुक्ति और सम्मानजनक जीवन मिला।प्रधानमंत्री उवला योजना से लगभग 10.33 करोड़ परिवार देश भर में उवला योजना का लाभ उठा रहे हैं।प्रधानमंत्री उवला योजना (से लाभ पाने वाले परिवारों में पहली एलपीजी कनेक्शन के साथ गैस चूल्हा भी प्रदान किया जाता है, जिससे घरेलू स्तर पर स्वच्छ ऊर्जा और स्वास्थ्य लाभ मिलता है।

आयुष्मान भारत योजना ने गरीबों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की। अब तक लगभग 40.45 करोड़ से अधिक आयुष्मान भारत कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जो लगभग 14.69 करोड़ परिवारों को कवर करते हैं। देश भर के गरीब परिवारों तक स्वास्थ्य बीमा सुरक्षा पहुँच चुकी है, जिससे वे 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज कैशलेस तौर पर अस्पतालों में प्राप्त कर सकते हैं। पूरे देश में 30,000 से अधिक अस्पताल (सरकारी निजी) योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध हैं, ताकि लाभार्थी आसानी से इलाज करवा सकें। ये योजनाएँ केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि सामाजिक सम्मान और आत्मनिर्भरता का भाव भी उत्पन्न करती हैं, जो एकात्म मानव दर्शन का मूल तत्व है। आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी चिंतन।एकात्म मानव दर्शन स्वदेशी और आत्मनिर्भरता पर विशेष बल देता है। नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा प्रस्तुत आत्मनिर्भर भारत अभियान इसी सोच का आधुनिक रूप है। इसका उद्देश्य भारत को आर्थिक,तकनीकी और औद्योगिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है।स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का आह्वान—वोकल फॉर लोकल—भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ सांस्कृतिक स्वाभिमान को भी सुदृढ़ करता है। आत्मनिर्भर भारत अभियान भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है, जिसकी शुरुआत मई 2020 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की थी। इसका उद्देश्य भारत को आर्थिक, औद्योगिक, तकनीकी और सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि देश अपनी आवश्यकताओं के लिए दूसरों पर निर्भर न रहे और वैश्विक अर्थव्यवस्था में मजबूत भूमिका निभा सके।आत्मनिर्भर भारत का अर्थ आत्मकेंद्रित होना नहीं, बल्कि अपनी क्षमता को मजबूत करते हुए दुनिया से जुड़ा हुआ भारत बनाना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों को जीर्णोद्धार व संवर्धन को उच्च प्राथमिकता दी है, जो आस्था, पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत दोनों को सुदृढ़ करते हैं। इन परियोजनाओं से न केवल मंदिर संरचनाओं को संरक्षित किया गया है, बल्कि भक्तों के लिए सुविधाओं, सुरक्षा और सुगम यात्रा का भी बेहतर प्रबंध सुनिश्चित किया गया है।योग को वैश्विक पहचान, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, राम मंदिर निर्माण, और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020—ये सभी प्रयास भारत की सांस्कृतिक चेतना को पुनर्स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) - साभार

शब्द पहेली - 8635

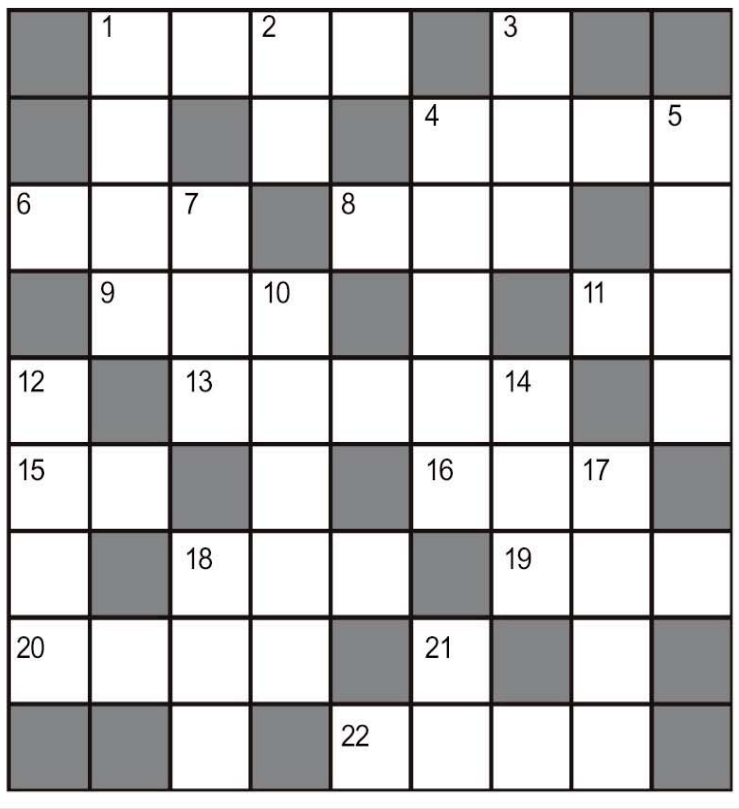

■	1		2		■	3	■	■
■		■		■	4			5
6		7	■	8			■	
■	9		10	■		■	11	
12	■	13				14	■	
15		■		■	16		17	■
	■	18			■	19		
20				■	21	■		■
■	■		■	22				■

बाएँ से दाएँ

1. जंगल की आग-4
4. अयोग्य,नालायक-4
6. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
8. तैयार होना-3
9. जीभ,जिव्हा-3
11. पाश,फंदा,-2
13. नामकरण करना-2,3
15. मेरा(सं.-2)
16. खाद्य सामग्री-3
18. तहत-3
19. कक्ष,रूम-3
20. भरोसा,विश्वास-4
22. सचेत,होशियार-4

ऊपर से नीचे

1. दागी,धब्बेवाला-4
2. गीलापन,तर होना-2
3. दुनिया,जगत-3
4. अदा,हाव-भाव-5
5. भरा हुआ-4
7. टपकना,गिरना-3
10. नाम रखना-5
12. एकमत-4
14. भक्षक,विनाशकारी-3
17. खारा,क्षारीय-4
18. वन,जंगल-3
21. लाश,मुर्दा,मृतक-4

शब्द पहेली -8634 का हल

क	दा	चा	र	■	स	त	ल	ज
ल	■	य	ती	म	खा	ना	■	हा
प	र	■	■	दा	■	■	चा	ल
ना	च	■	क	री	ब	■	ल	त
■	ना	च	ना	■	ला	ल	च	■
आ	का	■	त	ह	त	■	ल	क
रा	र	■	■	सी	■	■	न	या
ध	■	न	वी	न	त	म	■	म
ना	म	व	र	■	क	रा	मा	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

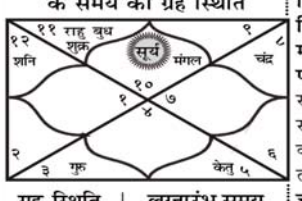

11 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

बुधवार 2026 वर्ष का 42 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** नवमी 09.59 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अनुराधा 10.53 बजे को समाप्त। **योग** व्याघात 02.30 बजे रात्र को समाप्त। **करण** गर 09.59 बजे तदनन्तर वणिज 23.13 बजे को समाप्त।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	06.45 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मीन	08.18 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	09.48 बजे से
बुध	कुंभ में	वृष	11.29 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	13.27 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कर्क	15.40 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	17.56 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	20.08 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	22.19 बजे से
राहुकाल		वृश्चिक	00.34 ब.से
12.00 से 1.30		धनु	02.50 बजे से
बजे तक		मकर	04.55 बजे से

चन्द्रायु 23.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 14° 06'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872617
जूलियन दिन 2461082.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सावान **तारीख** 22
विशेष पंडित दीनदयाल उपाध्याय पुण्यतिथि।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54 से	07.22	बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12	बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51	बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44	बजे तक
काल	08.15 से	10.19	बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16	बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47	बजे तक	चर	10.16 से	11.47	बजे तक
रोग	11.47 से	01.16	बजे तक	रोग	11.47 से	01.19	बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44	बजे तक	काल	01.19 से	02.51	बजे तक
चर	02.44 से	04.12	बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23	बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41	बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

सार समाचार

जिला चिकित्सालय में लगभग सभी डॉक्टरों की है पोस्टिंग

सारंगढ़-बिलाईगढ़। रजत जयंती वर्ष में जिले के लिए स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ी उपलब्धि के रूप में अब जिला चिकित्सालय सारंगढ़ में सभी प्रकार के डॉक्टर और विशेषज्ञ की सुविधा उपलब्ध हो गई है। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के मार्गदर्शन एवं स्वास्थ्य विभाग की पहल पर अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की पदस्थापना हुई है। इस सुविधा से सारंगढ़ में सभी प्रकार का इलाज संभव होगा, जिससे हजारों परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी। अब सारंगढ़ जिला चिकित्सालय में यह सुविधा मिलने से ग्रामीण अंचलों के परिवारों को भी त्वरित और गुणवत्तापूर्ण उपचार मिलेगा। जिला चिकित्सालय में प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे त ओपीडी और परामर्श दिया जाएगा। वहीं गंभीर बीमार मरीजों के लिए शाम 4 बजे से रात 6 बजे तक विशेष परामर्श की व्यवस्था भी की गई है। अस्पताल में सभी वार्ड तैयार हैं, जहां गंभीर बीमारियों के मरीजों का इलाज मेडिसिन विशेषज्ञ की निगरानी में होगा। गंभीर स्थिति में मेडिकल बोर्ड गठित कर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। जिला अस्पताल सारंगढ़ बिलाईगढ़ में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एफ आर निराला, डॉ. दीपक जायसवाल सिविल सर्जन, डॉ. भूषण खुंटे-आवासीय चिकित्सा अधिकारी, डॉ. बी.पी. साय-वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, डॉ. सुरेश खुंटे-मेडिसीन विशेषज्ञ, डॉ. रमेश साहू-पैथोलॉजिस्ट (पी.जी.एम.ओ.), डॉ. राकेश साहू-सर्जरी विशेषज्ञ, डॉ. अनुप अग्रवाल-कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ, डॉ. रूपेश पटेल अस्थि रोग विशेषज्ञ, डॉ. भारती पटेल-शिशु रोग विशेषज्ञ, डॉ. अमित पटेल-शिशु रोग विशेषज्ञ, डॉ. सुनिल पटेल-मेडिसीन विशेषज्ञ, डॉ. श्रिया अग्रवाल-मेडिसीन विशेषज्ञ, डॉ. रानू मनहर-स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ. स्वाती शर्मा-नेत्र रोग विशेषज्ञ और चिकित्सा अधिकारी में डॉ. नरेद्र राते- डॉ. दिव्या जोशी, डॉ. रामजी शर्मा, डॉ. लोकनाथ डहरिया, डॉ. रितेश सेन, डॉ. नकुल नौरंगे, डॉ. गरिमा बंजारे, डॉ. पुष्पाली मारकण्डे, डॉ. राहुल साय, डॉ. रितेश कुमार, डॉ. राहुल भारद्वाज, डॉ. हितेश पैकरा, डॉ. नितेश पटेल, डॉ. नीलिमा पटेल और डॉ. इन्दु सोनवानी-दंत चिकित्सक कार्यरत हैं।

कृषि विज्ञान केन्द्र अजिरमा में कृषक-वैज्ञानिक परिचर्चा, आधुनिक तकनीकों की दी गई जानकारी

सूरजपुर। एक्सटेंशन रिफॉर्म्स (आत्मा) योजनान्तर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र, अजिरमा (अम्बिकापुर) में कृषक-वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस परिचर्चा में जिला सूरजपुर के विकासखण्ड ओड़गी अंतर्गत ग्राम आनंदपुर, चपदा एवं भंवरखोह के कृषकों ने सक्रिय सहभागिता की। परिचर्चा के दौरान कृषकों ने खरीफ एवं रबी फसलों में लगने वाले कीट एवं रोग व्याधियों की समस्याओं से वैज्ञानिकों को अवगत कराया। इस पर कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. संदीप शर्मा ने फसलों में पोषक तत्व प्रबंधन तथा कीट-रोग नियंत्रण के लिए जैविक एवं रासायनिक दोनों पद्धतियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। इसके साथ ही उन्होंने पशुपालन गतिविधियों के अंतर्गत मुर्गीपालन एवं बकरीपालन से आय बढ़ाने के उपाय भी बताए। विषय वस्तु विशेषज्ञ पी. आर. पैकरा ने कृषकों को समन्वित कृषि प्रणाली, मेड़ों के दक्षतापूर्ण उपयोग तथा जैविक एवं प्राकृतिक खेती के अंतर्गत जीवामृत, बीजामृत, ब्रह्मास्त्र आदि तैयार करने की विधि एवं उपयोग की जानकारी दी।

85 लीटर महुआ शराब के साथ दो कोचिया गिरफ्तार

विजय मत/बिलाईगढ

अवैध शराब बिक्री के खिलाफ थाना भटगांव पुलिस की लगातार कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में पुलिस ने ग्राम हरदी के देवरहा खार क्षेत्र में छापामार कार्रवाई कर दो शराब कोचियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से कुल 85 लीटर महुआ शराब जब्त की गई है।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती निमिषा पांडे एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस विजय ठाकुर के मार्गदर्शन में तथा थाना प्रभारी भटगांव शिवकुमार धारी के नेतृत्व में की गई।

मुखबिर सूचना पर की गई रेड कार्रवाई

9 फरवरी को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम हरदी के दो व्यक्ति

देवरहा खार के खेत में महुआ शराब रखकर बिक्री कर रहे हैं। सूचना की तस्दीक के बाद भटगांव पुलिस ने मौके पर दबिश दी और दोनों आरोपियों को मौके से पकड़ लिया।

गिरफ्तार आरोपियों में (1) संतोष खूंटे पिता रामायण दास खूंटे, उम्र 36 वर्ष, निवासी ग्राम हरदी

(2) प्रकाश खूंटे पिता विजय खूंटे, उम्र 26 वर्ष, निवासी ग्राम हरदी, थाना भटगांव, जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ शामिल हैं।

शराब, मोबाइल जब्त कर भेजा गया जेल

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 85 लीटर महुआ शराब (कीमत लगभग 17,000 रुपये) एवं दो मोबाइल फोन (कीमत लगभग 15,000 रुपये) जब्त किए। आरोपियों के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई कर उन्हें विधिवत गिरफ्तार किया गया। इसके बाद दोनों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

इस संपूर्ण कार्रवाई में उप निरीक्षक शिवकुमार धारी, प्रधान आरक्षक एकराम सिदार, आरक्षक राहुल खूंटे, खिलावन बघेल, अशोक साहू, जितेन टंडन, लक्ष्मीकांत, तानजय एम, आरक्षक रीना बघेल सहित थाना भटगांव के समस्त स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

अग्रसेन भवन व रेवती रमन कॉलेज में नुक्कड़ नाटक कर बाल विवाह कुरूति पर दिया गया संदेश

विजय मत/सूरजपुर। राज्य स्तर से संचालित बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के अंतर्गत आज सूरजपुर जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग, यूनिसेफ एवं एग्रिकोन फाऊंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से व्यापक जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में राज्य से नाट्य एवं लोक कला समिति, शहडोल की टीम ने नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी। इस क्रम में दो स्थानों पर कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम अग्रसेन भवन व रेवती रमन कॉलेज में आयोजित हुआ। नुक्कड़ नाटक के साथ-साथ मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की भी विस्तृत जानकारी आम जनमानस को दी गई। नाटक के माध्यम से लोगों को बाल विवाह न करने का संदेश दिया गया तथा बताया गया कि लड़की की विवाह की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और लड़के की न्यूनतम आयु 21 वर्ष निर्धारित है। इसके साथ ही बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत दंड के प्रावधानों की भी विस्तार से जानकारी दी गई।

सूरजपुर में पुलिस जवान का आत्मघाती कदम, ड्यूटी से लौटने के बाद दी जान

विजय मत/सूरजपुर

सूरजपुर = सूरजपुर पुलिस विभाग से एक दुखद जानकारी सामने आई है.यहां पुलिस लाइन में तैनात आरक्षक अंतोष खलखो ने आत्मघाती कदम उठाया,जिसमें उसकी मौत हो गई है. आरक्षक की मौत की खबर सामने आने के बाद पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गई है.

आरक्षक अंतोष खलखो एमसीबी जिले से अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद सोमवार रात को घर लौटा था.मंगलवार सुबह जब अंतोष खलखो ने अपने कमरे का दरवाजा काफी देर तक नहीं खोला तो परिजनों ने खुद जाकर दरवाजा खोला.लेकिन अंदर का नजारा देखकर परिजन स्तब्ध रह गए.अंतोष खलखो ने आत्मघाती कदम उठा लिया था,जिसमें उसकी मौत हो गई थी.

घटना की सूचना मिलते ही बिश्रामपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने तत्काल शव को

कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. फिलहाल मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है. पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच की जा रही है.

आरक्षक अपने ससुराल से खाना खाकर वापस घर लौटा था.सुबह उसके परिजनों ने उसे फंदे पर लटका हुआ पाया.पत्नी ने परिवार की सहायता से उसे उतारा और अस्पताल लेकर आई.जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित किया.जवान सूरजपुर पुलिस लाइन में पदस्थ था,लेकिन उसकी ड्यूटी एमसीबी में लगाई गई थी.जहां से वो तीन दिन की छुट्टी लेकर आया था.मौत को लेकर जांच जारी है,जांच के बाद कारणों का खुलासा हो सकेगा- अभिषेक पैकरा,एसडीओपी

जांच के बाद ही कारण का होगा खुलासा

जांच अधिकारी का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयान के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी. फिलहाल बिश्रामपुर थाना क्षेत्र में दर्ज इस मामले की जांच जारी है.इस घटना ने एक बार फिर मानसिक तनाव और व्यक्तिगत परेशानियों को गंभीरता से समझने की जरूरत की ओर इशारा किया है. बताया जा रहा है कि आरक्षक अंतोष खलखो अपने कर्तव्यों के प्रति जिम्मेदार था. ऐसे में अचानक हुई इस घटना ने परिजनों के साथ-साथ पुलिस विभाग को भी हैरान कर दिया है. साथी पुलिसकर्मियों और अधिकारियों ने गहरा दुख व्यक्त किया है. यदि आपके मन में आत्महत्या के विचार आ रहे हैं, या आप किसी मित्र को लेकर चिंतित हैं।

सरगुजा के अंबेडकर चौक में लगी भीषण आग, 8 दुकानें जलकर खाक

विजय मत/सरगुजा

अंबिकापुर के अंबेडकर चौक में भीषण आग लगने से आठ दुकानें जलकर खाक हो गई. बीच चौक में खाली पड़ी जमीन पर 4 वर्ष पहले ही टीन शेड की दुकानों निर्माण किया गया था. इनमें ज्यादातर दुकानें घरेलू सामान और फर्नीचर की थी, आज सुबह 4 बजे अचानक दुकानों से आग की तेज लपटें उठने लगी, वहां से गुजरने वाले लोगों ने पुलिस और फायर स्टेशन में सूचना दी. सूचना पर फायर टीम ने आग पर नियंत्रण तो पा लिया, लेकिन तब तक अब आग में जलकर सबकुछ खाक हो चुका था.

आग इतनी भयानक थी की दमकल की टीमों को आग पर काबू पाने में 2 घंटे से अधिक का समय लग गया. घटना स्थल के दोनों तरफ से व्यस्त मार्ग गुजरता है, एक तरफ से कटनी गुमला नेशनल हाईवे और दूसरी तरफ से बनारस मुख्य मार्ग है. सुरक्षा और यातायात संचालन के लिए भारी पुलिस बल प्रशासन ने यहां तैनात किया है. अनुमान लगाया जा रहा है की एक करोड़ से अधिक का नुकसान इस आगजनी में हुआ होगा.

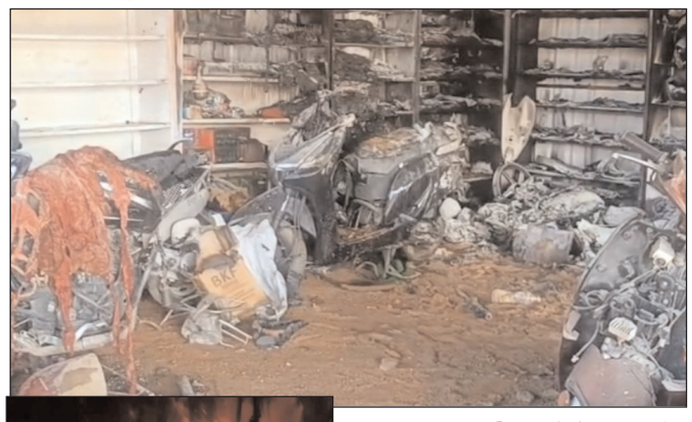

शरारत या साजिश दोनों एंगल से पुलिस कर रही जांच

फिलहाल आग किन कारणों से लगी इसका खुलासा नहीं हो सका है, आम तौर पर गर्मियों में शॉर्ट सर्किट की वजह से आगजनी की घटनाएं होती हैं, लेकिन ये दुकानें क्योंकि टीन के शेड से निर्मित थी तो संभव यह भी है कि आग किसी शरारती तत्व ने लगाई हो. दुकानदारों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है. घटनाक्रम की जांच जारी है।

पिता के खून से रंगे बेटी के हाथ, हंसिया से वार कर उतार दिया मौत के घाट

विजय मत/एमसीबी

कोरबा= हरदीबाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत कोयलांचल इलाके के गांव रलिया में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. जिसमें एक बेटी ने प्राणघातक हमला करते हुए अपने ही पिता की जान ले ली है. 25 वर्षीय बेटी अपने पिता से अलग रहती थी. जो किसी काम से अपने गांव गई हुई थी. जहां उसने नींद में सो रहे अपने पिता के जबड़े और गले पर हंसिया से वार करते हुए उसे मौत की नींद सुला दिया. पुलिस ने इस मामले में हत्या का अपराध दर्ज करते हुए आरोपी बेटी को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है.

घटना सोमवार-मंगलवार की रात करीब 2 से 2:30 बजे के मध्य की है. पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार हरदी बाजार के रलिया गांव में गीता केंवट ने अपने पिता अशोक केंवट की हंसिया मारकर हत्या कर दी है. गीता अपने बहनों

और अपनी मां के साथ पुरानी बस्ती कोरबा में रहती है. पिता अशोक रलिया गांव में रहते हैं. परिवार में एक दूसरे के घर आना-जाना काफी दिनों से बंद था. कई बातों को लेकर विवाद था. पिता बेटी के चरित्र पर भी शंका करता था. हाल में गीता अपने गांव गई थी, उसे जाति निवास प्रमाण पत्र बनवाना था. वो अपने बड़े पिताजी के यहां रुकी थी. इसी दौरान सोमवार और मंगलवार की दरम्यानी रात को लगभग 2 बजे वो अपने पिता के घर गई. सोए हुए हालात में ही हंसिया से जबड़े और मुंह के पास मारकर उसकी हत्या कर दी है.

परिवार में चल रहा था विवाद

धारदार हंसिया से बेटी ने पिता पर जानलेवा हमला कर मौत के घाट उतार दिया. प्राप्त जानकारी के अनुसार पिता को बेटी के जीवन-यापन, भरण-पोषण के तौर-तरीके को लेकर ऐतराज था. यह समझाइस बेटी को नागवार गुजरी और इसी सब विवाद के बाद उसने घर में मौजूद हंसिया से पिता को मौत के घाट उतार दिया है.बेटी ने अपने पिता की हंसिया से हत्या कर दी है. पुलिस ने आरोपी युवती को गिरफ्तार कर लिया है. परिवार में विवाद चल रहा था- लखन पटले, एएसपी, कोरबा।

पत्नी छोड़ गई तो पिता नं 6 साल के बेटे को बेरहमी से मार डाला

छत्तीसगढ़ की इंडस्ट्रियल सिटी रायगढ़ से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है. यहां के लैलूंगा इलाके के गांव जामढोढी में एक पिता ने अपने 6 साल के बेटे की खौफनाक तरीके से हत्या कर दी. पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है. 8 फरवरी रविवार को आरोपी ने अपने बेटे का मर्डर कर दिया. पुलिस ने 10 फरवरी मंगलवार को आरोपी को अरेस्ट किया है. रायगढ़ के डीएसपी सुशांतो बनर्जी ने

मीडिया को बताया कि आरोपी विनोद महेश्वरी ने अपने 6 साल के बेटे की हत्या कर दी. पुलिस की शुरुआती तफ्तीश में खुलासा हुआ है कि आरोपी ने अपने 6 साल के बेटे को कुएं में फेक दिया. वह खुद भी कुएं में कूद गया और बेटे को डुबाकर उसकी जान ले ली. आरोपी विनोद महेश्वरी ने अपने 6 साल के बच्चे को पहले कुएं में फेंक दिया. उसके बाद वह भी कुएं में कूद गया. अपने बेटे को उसने कुएं में डूबाकर मार डाला. इस दौरान उसने अपने भाई को पंप नहीं चालू करने को कहा. इस तरह आरोपी ने अपने बेटे की हत्या कर दी. आरोपी के भाई की शिकायत पर सोमवार को इसका खुलासा हुआ. मंगलवार को उसे गिरफ्तार कर लिया गया है- सुशांतो बनर्जी, डीएसपी, रायगढ़ पुलिस की तफ्तीश में यह भी खुलासा हुआ है कि आरोपी विनोद की पत्नी उसे छोड़कर जा चुकी है. वह अकेले अपने बेटे और अपने भाइयों के साथ रहता था।

राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, आज सामूहिक दवा सेवन अभियान का शुभारंभ

विजय मत/सूरजपुर

फाइलेरिया उन्मूलन हेतु सामूहिक दवा सेवन अभियान का शुभारंभ आज कलेक्टर एस. जयवर्धन की उपस्थिति में रेवती रमण कॉलेज में किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर ने स्वयं दवा का सेवन कर जिलेवासियों से फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन करने की अपील की। सूरजपुर फाइलेरिया मुक्त बन सके इस हेतु आमजन को स्वास्थकर्ताओं का पूर्ण सहयोग करने की बात कहीं और फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन स्वास्थकर्ताओं की देखरेख में करने की बात कही। कलेक्टर ने कॉलेज के छात्रों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और फाइलेरिया जैसी गंभीर बीमारी से बचाव के लिए दवा का सेवन अवश्य करें। यह अभियान 10 से 25 फरवरी 2026 तक संचालित किया जा रहा है। नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क कर ज्यादा से ज्यादा जिलेवासी इस अभियान का लाभ उठा सकते है।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सूरजपुर को फाइलेरिया (हाथीपांव) मुक्त बनाना है। इसके तहत सूरजपुर,

रामानुजनगर और प्रेमनगर में 02 वर्ष से अधिक आयु के सभी पात्र व्यक्तियों को दवा खिलाई जा रही है। 10 से 12 फरवरी तक स्कूलों, कॉलेजों, स्वास्थ्य केंद्रों और आंगनबाड़ियों में विशेष बूथ लगाकर दवा खिलाना। 13 से 25 फरवरी तक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर दवा का सेवन सुनिश्चित कराया गया। इस अभियान में डीईसी, एल्बेंडाजोल और आइवरमेक्टिन की खुराकें स्वास्थ्य कर्मियों की सीधी निगरानी में नि:शुल्क दी जा रही हैं। सामूहिक दवा सेवन (एमडीए) कार्यक्रम में जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. के.डी. पैकरा, जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. दीप कुमार, डब्ल्यू.एच.ओ. के प्रतिनिधि डॉ. स्नेहा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक एनएचएम संदीप नामदेव, व्ही.बी.डी. कंसलटेंट विवेक सदन नाविक, एमटीएस सी.के. माहेश्वरी, कॉलेज सूरजपुर के प्राचार्य, प्राध्यापक एवं छात्र/छात्राएं उपस्थित रहे और सभी फाइलेरिया की दवा का सेवन किये।

पतरापाली स्कूल में बच्चों ने उत्साहपूर्वक किया दवा सेवन

जिला प्रशासन सूरजपुर के निर्देशन में राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में 10 से 25 फरवरी तक 2 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को फाइलेरिया (हाथीपांव) जैसी गंभीर बीमारी से बचाव हेतु दवा का सेवन कराया जा रहा है। इसी क्रम में शासकीय माध्यमिक विद्यालय पतरापाली में फाइलेरिया रोधी दवा वितरण एवं सेवन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के बच्चों ने

खुशी, विश्वास और उत्साह के साथ दवा का सेवन किया। बच्चों को दवा सेवन के लिए प्रेरित करने हेतु विद्यालय के शिक्षकों ने पहले स्वयं दवा का सेवन किया, जिसके बाद विद्यार्थियों ने बिना किसी भय और संकोच के दवा ली। इस अवसर पर शिक्षक योगेश साहू ने विद्यार्थियों को फाइलेरिया रोग के कारण, लक्षण एवं रोकथाम के संबंध में सरल भाषा में जानकारी दी और बताया कि नियमित दवा सेवन से इस बीमारी को जड़ से समाप्त किया जा सकता है। इस कार्यक्रम में प्रधानपाठक के. के. यादव, शिक्षक महेन्द्र पटेल, अनिता सिंह, योगेश साहू, स्वास्थ्य विभाग से एम.टी. लालमुनी सिंह, मितानिन सरोज पटेल, सोनिया सिंह सहित विद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी उपस्थित जनों ने मिलकर फाइलेरिया उन्मूलन अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया और समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक दवा सेवन का संदेश पहुंचाने की अपील की।

विकसित भारत ''जी राम जी'' योजना पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला व सह प्रशिक्षण कार्यक्रम

विजय मत/सूरजपुर

कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन में सोमवार को जनपद पंचायत प्रेमनगर के सभाकक्ष में विकसित भारत रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) - 2025 योजना अंतर्गत कार्ययोजना के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला में जनपद अध्यक्ष फुलेश्वर सिरदार, उपाध्यक्ष पुनिया राजवाड़े, जनप्रतिनिधि शिवनंदन मरावी, विजय सिरदार, महेन्द्र यादव, जनपद सदस्य, सरपंच जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिव कुमार टंडन, कार्यक्रम अधिकारी राजेश्वर गुप्ता, तथा सचिव, रोजगार सहायक एवं समस्त तकनीकी सहायक सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन ग्रामीण 2025 की मूलभूत जानकारी योजना की तकनीकी जानकारी राष्ट्रीय डिजीटल प्लेटफार्म मैपिंग कार्यों का चयन प्रक्रिया युक्त धारा में एंट्री किया जाने के संबंध में कार्यक्रम अधिकारी द्वारा प्रतिभागियों को विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसके साथ-साथ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत प्रेमनगर व स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा योजनाओं के बेहतर और प्रभावी क्रियान्वयन के प्रति सकारात्मक अभिव्यक्ति दी गई।

योजनाओं की प्रगति में तेजी लाएं : कलेक्टर लंगेह

विजय मत/महासमुंद

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने आज सुबह 10:30 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक आयोजित कर जिले में संचालित शासकीय योजनाओं, कार्यक्रमों एवं आगामी आयोजनों की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार, अपर कलेक्टर सचिन भूतड़ा, रवि कुमार साहू, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), विभागीय जिलाधिकारी, जनपद सीईओ, नगरीय निकायों के सीएमओ तथा वीसी के माध्यम से ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने सिरपुर महोत्सव 2026 के सफल आयोजन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने आयोजन के दौरान सौंपे गए दायित्वों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने एवं विभिन्न व्यवस्थाओं में सराहनीय सहयोग देने के लिए सभी को बधाई दी।

कलेक्टर लंगेह ने राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत दवा सेवन करते हुए अभियान का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर बैठक में मौजूद जिला अधिकारियों ने भी दवा का सेवन किया। कलेक्टर ने कहा कि जिले में 10 से 25 फरवरी तक स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा सामूहिक दवा सेवन कराया जाना है। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया कि डीईसी एवं एल्बेंडाजोल दवा का वितरण एवं सेवन निर्धारित समय-सारणी एवं दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया जाए तथा दवा सेवन स्वास्थ्य कर्मियों की निगरानी में कराया जाए। कलेक्टर लंगेह ने आम

नागरिकों से अपील की है कि वे अभियान के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों का सहयोग करें और स्वयं तथा अपने परिवार के सभी पात्र सदस्यों को दवा अवश्य सेवन कराएं, ताकि जिले को फाइलेरिया मुक्त बनाया जा सके।

बैठक में कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने जिले में जारी धान उठाव की समीक्षा करते हुए डीईओ के विरुद्ध लंबित धान उठाव की स्थिति पर ध्यान देते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन उपार्जन केंद्रों में डीईओ के विरुद्ध धान का उठाव लंबित है, वहाँ प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र उठाव सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्टॉक का भौतिक सत्यापन करने तथा धान खरीदी पूर्णत: प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि धान उठाव के लिए 15 फरवरी तक डीईओ जारी करें एवं उठाव सुनिश्चित करें। स्टॉक के भौतिक सत्यापन में किसी तरह की लापरवाही न बरती जाए। बैठक में आधार बेस्ड उपस्थिति प्रणाली को अनिवार्य करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी-कर्मचारी प्रतिदिन सुबह 10 बजे कार्यालय में उपस्थित रहें। उपस्थिति में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ई-ऑफिस प्रणाली को लेकर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी फाइलों का मूवमेंट ई-फाइल के माध्यम से ही किया जाए, यह अनिवार्य है। इससे कार्यों में पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित होगी।

शहर और स्थानीय मार्गदर्शिका

उन्होंने मुख्य सचिव द्वारा किए गए समीक्षा के अनुरूप विभिन्न विभागों के व्यापक समीक्षा की और शासन से प्राप्त निर्देशानुसार क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए गए। प्रमुख रूप से स्वास्थ्य, महिला बाल विकास, जिला पंचायत, कृषि, शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विभागों के कार्यक्रम अनुसार समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं को ध्यान में रखते हुए जिले को विकास क्रम में अग्रणी बनाए रखना है इसके अतिरिक्त बैठक में अन्य शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनहित के कार्यों में तेजी, गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए, तथा समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करना सभी विभागों की जिम्मेदारी है। साथ ही उन्होंने पीएम जनमन, मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जन चौपाल, समय-सीमा पत्रक और राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रेरणा उत्सव में जिलेभर के छात्रों की उत्साहपूर्ण सहभागिता

विजय मत/नारायणपुर

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत नवोदय विद्यालय समिति द्वारा संचालित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चिस्दा, सक्ति में प्रेरणा उत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सक्ति जिले के सभी सीबीएसई संबद्ध विद्यालयों, छत्तीसगढ़ शासन के शासकीय विद्यालयों तथा निजी मान्यता प्राप्त विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन नवोदय विद्यालय समिति के कमिश्नर राजेश लखानी (आईएएस), जिला कलेक्टर एवं वीएमसी अध्यक्ष अमृत विकास तोपनो (आईएएस), उप आयुक्त आर.के. वर्मा, क्लस्टर इंचार्ज दीक्षा ज्योति

मिश्रा एवं जिला शिक्षा अधिकारी कुमुदिनी वाघ द्विवेदी के मार्गदर्शन में किया गया। नोडल विद्यालय के प्राचार्य डॉ. डी.के. ठाकुर के समन्वय से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। प्रेरणा कार्यक्रम की गाइडलाइन के अनुसार विद्यार्थियों के लिए विभिन्न स्किल आधारित गतिविधियों का आयोजन किया गया। अंतिम चरण में विषय विशेषज्ञ निर्णायकों द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से प्रतिभागी विद्यार्थियों का मूल्यांकन किया गया, जिसमें 30 विद्यार्थियों का चयन कर उनके नाम प्रेरणा पोर्टल पर अपलोड किए गए।कार्यक्रम का संचालन प्रेरणा उत्सव समन्वयक एवं पीजीटी रसायन के.के. पटेल ने किया। समापन अवसर पर प्राचार्य डॉ. डी.के. ठाकुर ने इसे विद्यार्थियों के लिए जीवन बदलने वाला अवसर बताते हुए सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र के बच्चों को मिला शैक्षणिक भ्रमण का अवसर

विजय मत/दंतेवाड़ा

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप वनांचल एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सुकमा जिला प्रशासन की पहल पर 'नियद नेल्लानार' योजना के अंतर्गत माध्यमिक शाला मिसमा और बालक आश्रम सामसट्टी के 40 विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण कराया गया।

इस भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को साइंस पार्क ले जाया गया, जहाँ उन्होंने विज्ञान से जुड़े विभिन्न प्रयोगों को प्रत्यक्ष रूप से देखा और समझा। न्यूटन के नियम, ऊर्जा के रूपांतरण, ध्वनि के सिद्धांत, धूप घड़ी से समय मापन, पेंडुलम की गति तथा दर्पणों से जुड़े प्रयोगों ने बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाई। इससे विद्यार्थियों को किताबों में पढ़े विषयों को व्यवहारिक रूप से समझने का अवसर मिला।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थी कलेक्टर कार्यालय भी पहुंचे, जहाँ उन्हें

प्रशासनिक कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई। जिला शिक्षा अधिकारी ने विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें शिक्षा, अनुशासन और मेहनत के महत्व के बारे में बताया तथा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को तुंगल बांध भी ले जाया गया, जहाँ उन्होंने प्राकृतिक वातावरण, जैव विविधता और जल संरक्षण के महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस शैक्षणिक भ्रमण से विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार हुआ। 'नियद नेल्लानार' योजना के माध्यम से शासन द्वारा वनांचल क्षेत्रों के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने और उनके सर्वांगीण विकास के लिए सार्थक पहल की जा रही है।

डिजिटल फॉड व साइबर सुरक्षा पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

विजय मत/उत्तर बस्तर कांकेर। सुरक्षित इंटरनेट दिवस के अवसर पर आज कलेक्टोरेट कांकेर में डिजिटल फ्रॉड एवं साइबर सुरक्षा विषय पर जागरूकता कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य इंटरनेट के बढ़ते उपयोग के साथ हो रहे साइबर अपराधों एवं ऑनलाइन ठगी से आमजन एवं शासकीय कर्मचारियों को सतर्क एवं जागरूक करना, सुरक्षित, जिम्मेदार एवं भरोसेमंद इंटरनेट उपयोग को बढ़ावा देना तथा साइबर अपराधों के प्रति जन-जागरूकता उत्पन्न करना था। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों द्वारा ऑनलाइन बैंकिंग फ्रॉड, फर्जी कॉल, ओटीपी एवं लिंक फ्रॉड, सोशल मीडिया हैकिंग, फेक वेबसाइट एवं डिजिटल स्कैम के विभिन्न तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही डिजिटल लेन-देन के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों, सुरक्षित पासवर्ड, ओटीपी गोपनीयता एवं किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत रिपोर्ट करने की प्रक्रिया को समझाया गया। इस अवसर पर कलेक्टोरेट के समस्त अधिकारी-कर्मचारियों को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग, साइबर अपराधों से बचाव एवं डिजिटल जागरूकता के महत्व से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश भी दिया गया कि थोड़ी-सी सतर्कता और सही जानकारी से डिजिटल फ्रॉड से बचा जा सकता है।

जिला स्तरीय पशु मेला आयोजित

विजय मत/कोरबा

विभागीय गतिविधियों के प्रचार प्रसार एवं पशुपालकों को पशु पालन की ओर रुझान बढ़ाने के उद्देश्य से शनिवार को ग्राम सलियांभाठा कोरबा में जिला स्तरीय पशु मेला प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के उन्नत नस्ल के पशु पक्षियों का उत्कृष्ट प्रदर्शनी आयोजित हुई। कार्यक्रम में पशुपालकों ने बढ़-चढकर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में 100 से अधिक पशुपालको द्वारा अपने पशु पक्षियों का प्रदर्शन किया गया। उन्नत पशुओं हेतु पशुपालकों

को प्रोत्साहन स्वरुप अथितियों के करकमलों से पुरुस्कार वितरित किये गये। कार्यक्रम विकासखंड कोरबा अर्तत ग्राम सलिहाभांठा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम मुख्य अथिति के रुप में जिला पंचायत के अध्यक्ष डॉ पवन सिंह, फूलसिंह राठिया विधायक विधानसभा क्षेत्र रामपुर, अध्यक्षता श्रीमती अमिलाबाई कंवर संरपंच ग्राम सलिहाभांठा, विशिष्ट अथिति के रुप में विनय कंवर अध्यक्ष जिला गौधाम समिति, श्रीमती सुष्मिता कमलेश अनंत जिला पंचायत सदस्य, श्रीमती सावित्री अजय कंवर, सदस्य जिला पंचायत कोरबा, श्रीमती बिजमोती राठिया अध्यक्ष जनपद पंचायत कोरबा के आथित्य में संपन्न हुआ।

'नियद नेल्लानार योजना से संवर रही वनांचल की राह, बंडा में 10 ग्रामीणों को मिले उन्नत नस्ल के सुकर

सुकमा। जिला प्रशासन और पशुपालन विभाग के साझा प्रयासों से सुदूर वनांचल क्षेत्रों में खुशहाली की नई बयार बह रही है। कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशानुसार और पशुपालन विभाग के उपसंचालक डॉ. संदीप इंदुरकर के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ शासन की सुकर त्रई योजना के तहत सोमवार को कोंटा ब्लॉक के ग्राम बंडा में हितग्राहियों को उन्नत नस्ल के सुकर वितरित किए गए। शासन की महत्वाकांक्षी नियद नेल्लनार योजना के तहत वनांचल क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। इसी कड़ी में ग्राम बंड़ा के अनुसूचित जनजाति वर्ग के 10 चयनित ग्रामीणों को उन्नत नस्ल के सुकरों का प्रदाय किया गया। इसका प्रमुख उद्देश्य ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार लाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।कोंटा पशु चिकित्सालय के प्रभारी अधिकारी डॉ. सूर्यकांत सोरी एवं उनकी टीम ने ग्राम स्तर पर पहुँचकर वितरण कार्य संपन्न कराया। इस दौरान डॉ. सोरी ने हितग्राहियों को सुकर पालन की बारीकियों और उनके उचित रख-रखाव के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी दूरस्थ वनांचल से लेकर शहरी क्षेत्रों तक की समस्याएं

कोरबा। जिला कार्यालय कोरबा में आयोजित साप्ताहिक कलेक्टर जनदर्शन में कलेक्टर कुणाल दुदावत ने जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों एवं शहरी अंचलों से आए आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं सहानुभूतिपूर्वक सुना। प्राप्त सभी आवेदनों पर कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को नियमानुसार परीक्षण कर समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आवेदकों द्वारा क्रमवार अपने आवेदन प्रस्तुत किए गए तथा अपनी समस्याओं से कलेक्टर को अवगत कराया गया। कलेक्टर श्री दुदावत ने ट्राइसाइकिल एवं राशन कार्ड से संबंधित आवेदनों को खाद्य विभाग को प्रेषित करते हुए निराकरण के निर्देश दिए। इसी प्रकार समाज कल्याण विभाग को ट्राइसाइकिल संबंधी आवेदनों का परीक्षण कर पात्र हितग्राहियों को प्रदाय करने के निर्देश दिए गए। जनदर्शन में भूमि को कब्जामुक्त कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), केवाईसी, मुआवजा, संविदा एवं अनुकम्पा नियुक्ति, सीमांकन तथा भवन निर्माण से संबंधित विभिन्न आवेदन प्राप्त हुए।

स्व-सहायता समूह से मिली आर्थिक आत्मनिर्भरता

दुर्ग। दुर्ग जिले की चीचा ग्राम पंचायत अंतर्गत चीचा गाँव की निवासी श्रीमती दुर्गा पटेल ने बहुआयामी आजीविका गतिविधियों को अपनाकर उल्लेखनीय आर्थिक प्रगति हासिल की है। वर्तमान में वे लखपति दीदी के रूप में पहचानी जाती हैं। श्रीमती दुर्गा पटेल माँ शाकाम्बरी स्व-सहायता समूह की सक्रिय सदस्य हैं। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें विभिन्न कौशल प्रशिक्षण और स्वरोजगार संबंधित कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिला। प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत उन्होंने घर पर ब्यूटी पार्लर का कार्य शुरू किया, जिससे उन्हें प्रतिमाह लगभग तीन से पांच हजार रुपये की आय होने लगी। साथ ही उनका चयन पशु सखी के रूप में हुआ। इस भूमिका में वे पशुओं का टीकाकरण, पोषण संबंधी परामर्श और प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराती हैं। इस सेवा से उन्हें प्रतिमाह लगभग 1910 रुपये की आय प्राप्त होती है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अपने घर की बाड़ी में सब्ज़ियों की खेती शुरू की, जिससे उन्हें प्रतिमाह छह से आठ हजार रुपये की अतिरिक्त आमदनी प्राप्त हो रही है। इन सभी गतिविधियों के माध्यम से श्रीमती दुर्गा पटेल ने नियमित और सतत आय अर्जित कर परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है। उनकी यह सफलता शासन की आजीविका संवर्धन योजनाओं और स्व-सहायता समूहों की प्रभावशीलता को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। वर्तमान में वे न केवल अपने परिवार की आर्थिक मजबूती के लिए प्रेरणा बन रही हैं, बल्कि गाँव की अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रोत्साहित कर रही हैं। राज्य सरकार का धन्यवाद करते हुए श्रीमती पटेल ने कहा कि आजीविका संवर्धन योजनाओं, कौशल विकास प्रशिक्षण और स्व सहायता समूह के सहयोग से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का अवसर प्रदान किया।

बिहान योजना से पंचबाई की बदली तकदीर, बनी सफल व्यवसायी

विजय मत/मुंगेली

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत बिहान योजना ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसी क्रम में मुंगेली जिले के विकासखण्ड लोरमी के ग्राम खपरीडीह निवासी श्रीमती पंचबाई साहू ने बिहान योजना से जुड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में सफलता प्राप्त की है। बिहान योजना से जुड़कर उन्होंने अपनी तकदीर बदली है, अब वे सफल व्यसायी बन चुकी है। स्व-सहायता समूह से जुड़ने से पूर्व पंचबाई साहू की आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर थी। परिवार की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उन्हें साहूकारों से ऊँचे ब्याज दर पर ऋण लेना पड़ता था। आर्थिक निर्भरता के कारण न केवल परिवार की बुनियादी ज़रूरतें अधूरी रह जाती थीं, बल्कि आत्मसम्मान भी प्रभावित होता था।

श्रीमती पंच बाई ने बताया कि बिहान योजना के अंतर्गत माँ सरस्वती महिला स्व-सहायता समूह के माध्यम से उन्हें वित्तीय साक्षरता, सामूहिक सहयोग और आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला। उन्होंने व्यवसाय के लिए रिवॉल्विंग फंड से 15 हजार रूपए, बैंक ऋण 01 लाख 50 हजार रूपए और 60 हजार रूपए सीआईएफ राशि प्राप्त हुई। साथ ही समूह के स्तर पर उन्हें 30 हजार रूपए का अतिरिक्त सहयोग भी मिला। प्राप्त राशि से उन्होंने फर्नीचर दुकान की शुरुआत की। परिश्रम, सही योजना और समूह के सहयोग से उनका व्यवसाय निरंतर आगे बढ़ता गया। आज उनकी मासिक आय लगभग 2.5 लाख रूपए से 03 लाख रूपए तक पहुँच चुकी है। इससे उनके बच्चों की शिक्षा बेहतर होने के साथ-साथ जीवन स्तर में सुधार आया है। श्रीमती पंचवाई साहू आज केवल स्वयं सफल नहीं हैं, बल्कि ग्राम की अन्य महिलाओं को भी समूह से जुड़ने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

महुआ सदियों से आदिवासी खाद्य परंपरा का हिस्सा रहा है

महुआ बना आजीविका का मॉडल : सुपर फूड के रूप में बनाई पहचान

विजय मत/जशपुर

जशपुर से सुकमा तक महुआ आधारित आजीविका मॉडल का व्यावहारिक आदान-प्रदान जशपुर जिले में महुआ को लेकर पारंपरिक सोच में धीरे-धीरे एक ठोस बदलाव देखने को मिल रहा है। जो महुआ कभी केवल स्थानीय मदिरा से जोड़कर देखा जाता था, वही आज सुरक्षित खाद्य उपयोग, पोषण और मूल्य संवर्धन के माध्यम से एक नए सुपरफूड के रूप में पहचाना जाने लगा है। जशपुर स्थित महुआ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इस बदलाव का केंद्र बनकर उभर रहा है, जहाँ महुआ को भोजन के रूप में स्थापित करने की वह सोच ज़मीनी स्तर पर आकार ले रही है, जिसकी परिकल्पना माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी द्वारा की गई है।

इसी क्रम में सुकमा जिले के कोंटा ब्लॉक अंतर्गत मुंडापल्ली ग्राम से 7 एवं तोंगपाल से 2 आदिवासी महिला स।ल सदस्यों का एक दल

जशपुर पहुँचा। यह दल PPIA फेलो अर्कजा कुथियाला के नेतृत्व में महुआ के फूड-ग्रेड संग्रहण, धूल-मुक्त सुखाने एवं प्रसंस्करण की व्यावहारिक प्रक्रियाओं को समझने हेतु एक्सपोज़र एवं फील्ड प्रशिक्षण कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य महुआ को केवल वनोपज के रूप में नहीं, बल्कि भोजन योग्य कच्चे माल के रूप में समझना था। फील्ड स्तर पर नेट-आधारित महुआ संग्रहण, ज़मीन से संपर्क से होने वाले जोखिम, स्वच्छ एवं नियंत्रित सुखाने की प्रक्रिया तथा प्रारंभिक हैंडलिंग के महत्व पर विशेष रूप से चर्चा एवं प्रदर्शन किया गया।

महुआ के प्रसंस्करण से जुड़े सत्र महुआ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में आयोजित किए गए, जहाँ गुणवत्ता मानकों, निरंतरता और खाद्य सुरक्षा से जुड़े पहलुओं को व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया। संपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन समर्थ जैन द्वारा किया गया, जबकि अनिश्वरी भगत ने फील्ड-लेवल समन्वय में सहयोग प्रदान किया। इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों ने DST समर्थित परियोजना के अंतर्गत NIFTEM द्वारा स्थापित सोलर टनल ड्रायर का भी अवलोकन किया, जहाँ फल एवं सब्ज़ियों के नियंत्रित निर्जलीकरण की वैज्ञानिक प्रक्रिया को समझाया गया। इससे प्रतिभागियों को महुआ के साथ-साथ अन्य कृषि एवं वनोपज आधारित आजीविका विकल्पों पर भी व्यापक दृष्टिकोण मिला।इस पूरे प्रशिक्षण एवं एक्सपोज़र कार्यक्रम के दौरान जशपुर की टीम के साथ-साथ PPIA फेलो श्रीकांत एवं NRLM से गया प्रसाद द्वारा ऑन-ग्राउंड गतिविधियों के समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई।

महुआ सदियों से आदिवासी खाद्य परंपरा का हिस्सा रहा है। आज आवश्यकता है उसे स्वच्छता, गुणवत्ता और वैज्ञानिक प्रक्रियाओं के साथ पुन: खाद्य प्रणाली में स्थापित करने की। जशपुर में हो रहे ये प्रयास न केवल जिले की पहचान को नई दिशा दे रहे हैं, बल्कि महुआ को एक पारंपरिक संसाधन से आधुनिक खाद्य समाधान के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक ठोस कदम भी हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी इंग्लैंड, आज शाम 7 बजे मैच होगा शुरू

इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने हालांकि मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था पर उसके स्पिनर आदिल राशिद और तेज गेंदबाज जोफा आर्चर प्रभावित नहीं कर पाये। इससे नेपाल के बल्लेबाज मैच को अंत तक ले जाने में सफल रहे। मैच में कप्तान हैरी और युवा जैकब बेथेल ने अर्धशतक लगाए।

मुंबई, एजेंसी

बुधवार को ग्रुप सी के अपने दूसरे मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी। इंग्लैंड को पहले मैच में नेपाल जैसी कमजोर टीम के खिलाफ कड़ा संघर्ष करने के बाद भी केवल 4 रनों से ही जीत मिली थी। ऐसे में उसका लक्ष्य वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा। उसके लिए ये इतना भी कठिन नहीं है क्योंकि वेस्टइंडीज टीम भी काफी कमजोर है और उसके खिलाड़ी लय में नहीं हैं।

टी20 में हालांकि किसी भी टीम को कम नहीं आंका जा सकता है। हैरी ब्रूक की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम के पास सैम करन जैसे अच्छा गेंदबाज है। नेपाल के खिलाफ सैम ने अंतिम ओवर में केवल 5 रन ही देकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। उन्होंने अंतिम ओवर में लाइन और लेंथ से नेपाल के बल्लेबाजों को रन बनाने का कोई अवसर नहीं दिया।

इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने हालांकि मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था पर उसके स्पिनर आदिल राशिद और तेज गेंदबाज जोफा आर्चर प्रभावित नहीं कर पाये। इससे नेपाल के बल्लेबाज मैच को अंत तक ले जाने में सफल रहे। मैच में कप्तान हैरी और युवा जैकब बेथेल ने अर्धशतक लगाए। इसके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। इंग्लैंड की टीम इस मैच में अपना रन औसत भी बेहतर करना चाहेगी। नेपाल के खिलाफ जीत के बाद भी उसका औसत 0.200 है और वह तीसरे स्थान पर हैं जबकि स्कॉटलैंड दो अंकों और 0.950 के नेट रन औसल के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं वेस्टइंडीज के भी दो अंक हैं और उसका नेट रन औसत 1.750 है। दूसरी ओर वेस्टइंडीज जानता है कि इस मैच में उसे हर हाल में जीतना होगा। वानखेड़े स्टेडियम में छोटी बाउंड्री से भी इस मैच में रनों को बनाना आसान रहेगा। वेस्टइंडीज ने अपने पहले मैच में शिमरोन हेटमायर के अर्धशतक 64 रनों के अलावा रोमारियो शेफर्ड के पांच विकेटों की सहायता से स्कॉटलैंड को हराया था पर उसे इसके लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। ऐसे में अगर उसे इस मैच में जीतना है तो सभी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

इंग्लैंड हैरी ब्रूक (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), टॉम बैंडन (विकेटकीपर), फिल साल्ट (विकेटकीपर), बेन डकेट, जैकब बेथेल, सैम करेन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टोंग।वेस्टइंडीज शाई होप (कप्तान एवं विकेटकीपर), जॉनसन चार्ल्स (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, ब्रैंडन किंग, रोवमैन पॉवेल, शेरफेन रदरफोर्ड, क्रिंटिन सैम्पसन, रोस्टन चेज़, जेसन होल्डर, रोमारियो शेफर्ड, मैथ्यू फोर्ड, अकील हुसैन, शमर जोसेफ, गुडाकेश मोती, जेडन सील्स।

आंखिर दबाव में झुका पाकिस्तान

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) आंखिरकार दबाव के आगे झुक ही गया है और वह भारतीय टीम के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले टी20 विश्वकप मैच खेलने के लिए तैयार हो गया है। भारत और पाकिस्तान के बीच ये मैच 15 फरवरी को कोलंबो स्टेडियम में खेला जाएगा। लाहौर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी), पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) की बैठक के बाद इस पर आम सहमति बन गयी है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, आईसीसी शीघ्र ही इसकी औपचारिक घोषणा करेगा। वहीं इससे पहले पाक ने कहा था कि वह बांग्लादेश के समर्थन में भारत के खिलाफ मैच से हट रहा है। पीसीबी ने कहा था कि उसकी सरकार ने उसे मैच से हटने को कहा है। उसके इस बयान के बाद माना जा रहा था कि अब वह भारत के खिलाफ नहीं खेलेगा पर आईसीसी के कड़े रुख, बांग्लादेश बोर्ड की मध्यस्थता और लगातार बातचीत के कारण पीसीबी खेलने को तैयार हो गया। उसने आईसीसी के सामने तीन शर्तें रखीं थीं ।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने पाक के प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया

मुम्बई, एजेंसी

श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप मैच खेलने के लिए तैयार होने पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को धन्यवाद दिया है। पाक सरकार ने 15 फरवरी को कोलंबो में होने वो इस मैच का पहले बहिष्कार करने का फैसला किया था पर श्रीलंकाई राष्ट्रपति के अनुरोध और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के दबाव में उसने ये फैसला बदल दिया है।

दिसानायके ने पाक प्रधानमंत्री को एक पत्र भेजकर याद दिलाया था कि श्रीलंका ने कठिन हालातों में भी उसका साथ दिया था। जब कोई टीम दौरा नहीं कर रही थी तब वह पाक के दौरे पर पहुंची थी। इसी के बाद पाक सरकार ने पहले अपने फैसले से पलटते हुए अब अपनी पुरुष क्रिकेट टीम को भारत के खिलाफ तय मैच खेलने की अनुमति दे दी है। यह मैच 15 फरवरी 2026 को खेला जाएगा। दिसानायके ने सोशल मीडिया में लिखा कि वह खुश हैं कि क्रिकेट का यह बहुप्रतीक्षित मुकाबला अपने तय कार्यक्रम के अनुसार खेला जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला यह अहम मैच कोलंबो में ही होगा।उन्होंने साथ ही कहा, टूर्नामेंट के सह आयोजक के तौर पर, श्रीलंका आईसीसी और सभी संबंधित लोगों को उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद देता है।

भारतीय बोर्ड भी तब पाक के खिलाफ मैच से हट सकता था

नई दिल्ली,एजेंसी

पाकिस्तान ने बांग्लादेश के समर्थन में टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले मैच में खेलने से इंकार कर दिया है। वहीं भारत के पास भी पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप मुकाबले से हटने का अवसर था पर भारत सरकार ने ऐसा नहीं किया।तब देशभर में पाकिस्तान के खिलाफ माहौल था और कहा जा रहा था कि भारत को ये मुकाबला नहीं खेलना चाहिए पर सरकार ने इसके बाद भी एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने का फैसला लिया था। भारतीय सरकार ने तब बीसीसीआई को पाकिस्तान के खिलाफ खेलने की मंजूरी कई कारणों से दी थी। तब अगर भारत पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना करता तो उसपर कई प्रकार के प्रतिबंध लग सकते थे।

इससे आईपीएल पर भी प्रभाव पड़ सकता था क्योंकि विदेशी खिलाड़ियों को अनुमति मिलने में परेशानी आती। इससे भारतीय बोर्ड को भी आर्थिक नुकसान होता।

वहीं आईसीसी दूसरी टीमों को भी भारत में द्विपक्षीय सीरीज खेलने से रोक सकता था।इससे भारतीय बोर्ड को नुकसान होता जिससे देखते हुए भारत सरकार ने बीसीसीआई को पाकिस्तान के खिलाफ खेलने की मंजूरी दी थी। हालांकि भारतीय टीम ने पाकिस्तान का क्रिकेट मैदान पर बायकाट किया था। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सबसे पहले पाकिस्तानी कप्तान से टॉस के दौरान हाथ नहीं मिलाए। वहीं मैच खत्म होने के बाद भारतीय खिलाड़ी सीधा अपने ड्रेसिंग रूम में चले गए।

बीसीसीआई ने नये केन्द्रीय अनुबंध की घोषणा की, विराट और रोहित का हुआ डिमोशन

मबई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नये केन्द्रीय अनुबंध में कई बदलाव हुए हैं। बीसीसीआई ने साल 2025-26 सत्र के लिए नया केन्द्रीय अनुबंध जारी कर दिया है। इसमें अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली का डिमोशन हुआ है। वहीं ईशान किशन और मोहम्मद शमी सहित पांच खिलाड़ियों को बाहर कर दिया गया है। बोर्ड ने इस बार ए प्लस कैटेगरी को भी हटा दिया है। अब ए कैटेगरी में ही टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान शुभमन गिल के साथ जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा को रखा गया है। वहीं नए केन्द्रीय अनुबंध में कुल 5 खिलाड़ियों मोहम्मद शमी, रजत पाटीदार, सरफराज खान, मुकेश कुमार और ईशान किशन को बाहर कर दिया गया है जबकि एक ही नये खिलाड़ी साई सुदर्शन को इसमें जगह मिली है।

इस बार 34 की जगह 30 खिलाड़ियों को ही अनुबंध दिया गया है। शमी को बाहर किए जाने से तय है कि अब उनका करियर समाप्त हो रहा है और वह टीम योजनाओं में शामिल नहीं हैं। वहीं ईशान, मुकेश और सरफराज को एक भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेलने के कारण बाहर कर दिया गया। ईशान को टी20 प्रारुप में जगह मिली है पर उनकी वापसी नये सत्र में हुई है। यह वापसी नए साइकिल में हुई है। वहीं सीनियर पुरुष अनुबंध सूची में नये खिलाड़ी के तौर पर केवल सुदर्शन को जगह मिली है। बोर्ड ने अभी तक रिटेनरशिप की राशि की जानकारी नहीं दी है। ए प्लस ग्रुप इस बार समाप्त कर दिया गया है इसमें 7 करोड़ मिलते थे जबकि ए में 5 करोड़, बी में 3 करोड़ और सी में एक करोड़ मिलते थे। अब देखना है कि इस बार इसमें कितनी रकम मिलती है।

बीसीसीआई केन्द्रीय अनुबंध

ग्रेड ए-शुभमन गिल,जसप्रीत बुमरा,रवींद्र जड़ेजा।

ग्रेड बी - विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत, कुलदीप यादव, यशस्वी जयसवाल, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर।

ग्रेड सी - अक्षर पटेल, रुतुराज गायकवाड़, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, ध्रुव जुरेल, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, नितीश कुमार रेड्डी, अभिषेक शर्मा, साई सुदर्शन, रवि बिश्नोई।

पोंटिंग ने बाबर आजम के फार्म पर सवाल उठाये

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम के फार्म पर सवाल उठाये हैं। पोंटिंग ने कहा है कि बाबर ने जिस प्रकार से एसोसिएट टीम नीदरलैंड्स के खिलाफ धीमी बल्लेबाजी की है। उससे साफ है कि वह सहज नहीं हैं। इसके बाद भी वह नीदरलैंड्स के खिलाफ 18 गेंदों में केवल15 रन ही बना पाये। इस पारी के दौरान वह न एक भी चौका , छक्का नहीं लगा पाये। पोंटिंग के अनुसार आजम के शॉट में पहले जैसी ताकत नजर आई और न ही टाइमिंग नजर नहीं आई। पोंटिंग ने कहा, अगर आप 18 गेंदों में 15 रन बना रहे हैं तो इससे साफ है कि आप दबाव में है और स्ट्राइक भी रोटेट नहीं कर पा रहे।

व्यापार

दिग्गज कंपनी टाटा मोटर्स नए साल में चार नई इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च करेगी

दूसरी कार टियागो ईवी फेसलिफ्ट है, जिसके मई 2026 में आने की संभावना है

नई दिल्ली, एजेंसी

स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स नए साल में चार नई इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च करने जा रही है, जिनमें मौजूदा मॉडलों के फेसलिफ्ट वर्जन और बिल्कुल नए इलेक्ट्रिक वाहन शामिल हैं। कंपनी भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में अपनी पकड़ को और मजबूत करने की तैयारी में है। टाटा का लक्ष्य हुंडई और महिंद्रा जैसी कंपनियों को कड़ी चुनौती देते हुए ईवी सेगमेंट में अपनी लीड को बरकरार रखना है। कंपनी की सबसे पहली अपकमिंग इलेक्ट्रिक कार है पंच ईवी, जो 20 फरवरी 2026 को अपडेटेड रूप में लॉन्च होगी। इस एंट्री-लेवल इलेक्ट्रिक एसयूवी में नया फ्रंट ग्रिल, कनेक्टेड एलईडी डीआरएल और नए अलॉय व्हील्स मिलने की उम्मीद है। इसमें 45 केडब्ल्यूएच बैटरी के साथ 120 बीएचपी की पावर और 190 एनएम टॉर्क दिया जा सकता है, जिससे इसकी परफॉर्मेंस और रेंज दोनों बेहतर होंगे।

दूसरी कार टियागो ईवी फेसलिफ्ट है, जिसके मई 2026 में आने की संभावना है। इसमें नया फ्रंट डिजाइन, अपडेटेड टेल लैंप्स और बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया जा सकता है। टियागो ईवी के दोनें बैटरी विकल्प 19.2 केडब्ल्यूएच और 24 केडब्ल्यूएच जारी रहने की उम्मीद है, जिससे यह ग्राहकों के लिए एक किफायती और प्रैक्टिकल विकल्प बन सकती है।

तीसरी कार टाटा सिएरा ईवी है, जो इस साल के फेस्टिव सीजन में लॉन्च हो सकती है। इसका डिजाइन आईसीई वर्जन जैसा ही रहेगा लेकिन इसमें क्लोज्ड ग्रिल, एयरोडायनामिक अलॉय और इलेक्ट्रिक-विशेष स्टाइलिंग एलिमेंट जोड़े जाएंगे। इसके इंटीरियर में ट्रिपल स्क्रीन सेटअप और पावर-एडजस्टेबल सीटें जैसी प्रीमियम सुविधाएं मिलने की उम्मीद है। इसके 65 केडब्ल्यूएच और 75 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक वेरिएंट उपलब्ध हो सकते हैं।

बांग्लादेश-अमेरिका व्यापार को बड़ी राहत

ढाका । बांग्लादेश और अमेरिका ने व्यापार समझौते पर सहमति जताई है, जिसके तहत बांग्लादेश से आने वाले कुछ वस्त्र और परिधान उत्पादों पर अमेरिकी शुल्क को घटाकर 19 फीसदी कर दिया गया है। खासकर अमेरिका में उत्पादित कपास और मानव निर्मित फाइबर से बने रेडीमेड गारमेंट्स (आरएमजी) को शून्य शुल्क पर अमेरिकी बाजार में प्रवेश मिलेगा। यह समझौता नौ महीने की बातचीत के बाद हुआ है। समझौते में अमेरिका से गेहूं, सोयाबीन और एलएनजी आयात, ई-कॉमर्स पर शुल्क न लगाना, अमेरिकी बौद्धिक संपदा अधिकार मानकों का पालन और डब्ल्यूटीओ सुधारों में सहयोग जैसे प्रावधान शामिल हैं। अमेरिका में वाणिज्य सलाहकार शेख बशीर उद्दीन और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। आरएमजी क्षेत्र बांग्लादेश की कुल निर्यात आय बढ़ेगी।

हैप्पिएस्ट माइंड्स मुनाफा 19.6 प्रतिशत घटकर 40.3 करोड़ रुपए से ज्यादा हुआ

नई दिल्ली,एजेंसी

सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी हैप्पिएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज का अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 19.56 प्रतिशत घटकर 40.3 करोड़ रुपये रह गया। पिछली वित्त वर्ष (2024-25) की समान तिमाही में यह 50.1 करोड़ रुपये था। कंपनी के अनुसार यह गिरावट मुख्य रूप से नए श्रम संहिता के लागू होने से जुड़े एकमुश्त प्रभाव (22.03 करोड़ रुपये) के कारण आई। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 10.69 प्रतिशत बढ़कर 587.56 करोड़ रुपये रही, जबकि पिछली तिमाही में यह 530.81 करोड़ रुपये थी। तिमाही आधार पर आय में 2.43 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मजबूत नकदी प्रवाह और एआई फर्स्ट दृष्टिकोण के साथ दीर्घकालिक मूल्य सृजन पर ध्यान जारी है। कंपनी एआई और जेन

एआई में निवेश बढ़ाएगी और वित्त वर्ष 2026-27 तक 1000 से अधिक लोगों का समर्पित दल बनाने की योजना रखती है।

अक्टूबर में इक्विटी निवेश 24,690 करोड़ रुपये था, जबकि नवंबर में यह 29,911 करोड़ रुपये था। इक्विटी निवेश में सुस्ती के बावजूद म्यूचुअल फंड उद्योग की कुल प्रबंध अधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) बढ़कर 81.01 लाख करोड़ रुपये हो गईं, जो दिसंबर में 80.23 लाख करोड़ रुपये थी। जनवरी में उद्योग में कुल शुद्ध निवेश 1.56 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया, जबकि दिसंबर में 66,591 करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। फ्लेक्सी-कैप फंड में सबसे अधिक 7,672 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ। इसके बाद मिड-कैप फंड में 3,185 करोड़ रुपये और लार्ज व मिड-कैप फंड में 3,182 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। लार्ज-कैप और स्मॉल-कैप फंड में क्रमशः 2,005 करोड़ और 2,942 करोड़ रुपये का निवेश दर्ज किया गया। कर बचत योजनाओं में 593.69 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई, जो मुनाफावसूली और कर समायोजन को दर्शाती है। गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में मांग तेजी है।

सोना 2,065 की गिरावट के साथ खुला, सोना और चांदी भी फिसला

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत मंगलवार को कमजोरी के साथ हुई। घरेलू वायदा बाजार में दोनों कीमती धातुओं पर दबाव देखने को मिला, वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी नरमी का रुख बना रहा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 2,065 रुपये की गिरावट के साथ 1,56,001 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 1,58,066 रुपये था। इस समय यह कॉन्ट्रैक्ट 776 रुपये टूटकर 1,57,290 रुपये पर कारोबार कर रहा था। दिन के कारोबार में सोने ने 1,58,070 रुपये का उच्च और 1,56,001 रुपये का निचला स्तर छुआ। पिछले महीने सोने ने 1,80,779 रुपये का रिकॉर्ड उच्च स्तर बनाया था। चांदी के वायदा भाव भी दबाव में रहे। एमसीएक्स पर मार्च कॉन्ट्रैक्ट 2,623 रुपये की गिरावट के साथ 2,59,997 रुपये प्रति किलो पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 2,62,620 रुपये था। इस समय चांदी 4,905 रुपये टूटकर 2,57,715 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रही थी। दिन के दौरान इसने 2,60,527 रुपये का उच्च और 2,59,997 रुपये का निचला स्तर छुआ।

एशियाई बाजारों में तेजी के साथ कारोबार

मुंबई । वैश्विक स्तर पर एशियाई शेयर बाजारों में भी तेजी देखने को मिली। चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 0.51 प्रतिशत चढ़ा, हांगकांग का हैंग सेंग 0.78 प्रतिशत ऊपर रहा, जापान का निक्केई 3.09 प्रतिशत और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 5.3 प्रतिशत बढ़ा। अमेरिकी बाजारों में वॉल स्ट्रीट के शेयर बाजार भी बढ़त के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 में 0.54 प्रतिशत, नैस्डैक में 0.56 प्रतिशत और डाउ जोंस में 1.05 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। इंस्टीट्यूट फॉर सप्लाई मैनेजमेंट के अनुसार होगी।

मार्केट जनवरी में यात्री वाहन बिक्री 5,13,475 इकाई रही, एक साल पहले 4,78,915 से 7 प्रतिशत अधिक

मोटर वाहन बिक्री में जोरदार उछाल, ग्रामीण बाजार में मांग बढ़ी

नई दिल्ली,एजेंसी

देश में जनवरी 2026 में मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना आधार पर लगभग 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वाहन डीलर निकाय फाडा के अनुसार कुल बिक्री 27,22,558 इकाई रही, जो जनवरी 2025 की 23,14,940 इकाई की तुलना में 17.61 प्रतिशत अधिक है। यह वृद्धि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर नकदी प्रवाह, जीएसटी में बदलाव के बाद नीति स्थिरता और मालवाहन मांग में स्पष्टता से जुड़ी है। जनवरी में यात्री वाहन बिक्री 5,13,475 इकाई रही, जो एक साल पहले की 4,78,915 इकाई से 7 प्रतिशत अधिक है। फाडा के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में सालाना आधार पर बिक्री 14.43 प्रतिशत बढ़ी, जबकि शहरी क्षेत्र में सिर्फ 2.75 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

इस वृद्धि में एसयूवी/कॉम्पैक्ट एसयूवी की लोकप्रियता, छोटी कारों की वापसी और उत्पाद उपलब्धता का योगदान रहा। दो-पहिया वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 18,52,870 इकाई तक पहुंच गई। ट्रैक्टर की बिक्री भी 23 प्रतिशत बढ़कर 1,14,759 इकाई हो गई। विग्नेश्वर ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में त्योहारों, शादी के मौसम और बेहतर वहनीयता से मांग में इजाफा हुआ है।

तीन-पहिया वाहनों की बिक्री में 19 प्रतिशत और वाणिज्यिक वाहनों में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। इन आंकड़ों से मालवाहन और छोटे व्यवसायों में मांग की स्थिरता का संकेत मिलता है। फाडा के सर्वेक्षण के अनुसार, 79.7 प्रतिशत डीलर आगामी तीन महीनों में बिक्री वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं, जबकि केवल 1.88 प्रतिशत ने गिरावट की आशंका जताई। जीएसटी में बदलाव, कृषि और बुनियादी ढांचा पर जोर देने वाला बजट, और ब्याज दरों की स्थिरता से वाहन खरीद में उत्साह बढ़ा है।

छत्तीसगढ़ सरकार की मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की सराहनीय पहल

राजिम में धूमधाम से संपन्न हुआ सामूहिक विवाह समारोह

विजय मत/ रायपुर

छत्तीसगढ़ की साय सरकार की संवेदनशील और कल्याणकारी सोच का प्रतीक बनी मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत मंगलवार को राजिम के नवीन मेला मैदान में 283 जोड़ों का सामूहिक विवाह धूमधाम से संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक आयोजन के मुख्य अतिथि प्रदेश के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल रहे, जिन्होंने नवदंपतियों को आशीर्वाद प्रदान किया। अध्यक्षता राजिम विधायक रोहित साहू ने की। राज्य सरकार की इस योजना ने जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक बोझ से मुक्ति दिलाई है, जो समाज के हर वर्ग के लिए वरदान साबित हो रही है।

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि आज के दौर में बेटी की शादी हर परिवार के लिए बड़ी चिंता का विषय बन गई है, लेकिन छत्तीसगढ़ की साय सरकार की मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना ने इसे सुलझा दिया है। इस योजना के तहत प्रति जोड़े 50 हजार रुपये की सहायता दी जाती है, जिसमें 35 हजार रुपये वधु के बैंक खाते में सीधे हस्तांतरित होते हैं। शेष 15 हजार रुपये श्रृंगार सामग्री, व्यवस्था और अन्य खर्चों पर व्यय किए जाते हैं। अग्रवाल ने कहा कि यह योजना जरूरतमंद परिवारों को सम्मानजनक तरीके से बेटी का विवाह करने में सहारा देती है। पूरे रीति-रिवाजों के साथ एक साथ इतने जोड़ों का विवाह होना समाज के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने जिला प्रशासन और महिला एवं बाल विकास विभाग की सराहना की तथा नवदंपतियों को सुखी वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं।

इस भव्य समारोह में राजिम विधानसभा क्षेत्र के 94, बिन्द्रनवागढ़ के 181 तथा कुरूद विधानसभा के 8 जोड़े शामिल हुए। राज्य सरकार की इस दूरदर्शी योजना ने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को नई उम्मीद दी है। विधायक रोहित साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना सरकार की जनकल्याणकारी भावना का जीवंत उदाहरण है। विवाह का आर्थिक बोझ अब बोझ नहीं, बल्कि खुशी का अवसर बन गया है। उन्होंने आयोजन से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का आभार माना। कलेक्टर बीएस उइके ने बताया कि यह आयोजन पूरे प्रदेश में एक साथ हो रहा है, जो विश्व रिकॉर्ड के रूप में दर्ज होगा।

योजना की सबसे प्रेरणादायक कहानी रही चार आत्मसमर्पित नक्सली जोड़ों की। ककेर, सुकमा और बीजापुर जिले से इन जोड़ों ने मुख्यधारा में लौटकर नई जिंदगी अपनाई है। इनमें दिलीप उर्फ संतु, मंजुला उर्फ लखमी, दीपक उर्फ भीमा मंडावी, सुनीता उर्फ जुनकी, कैलाश उर्फ भीमा, रनीता उर्फ पायकी कारम तथा राजेंद्र उर्फ कोसा मुरिया, जैनी उर्फ देवे मड़कम शामिल हैं। विवाह मंत्रोचार के बीच विवाह बंधन में बंधे इन नवदंपतियों ने राज्य सरकार की पुनर्वास नीतियों की तारीफ की। नक्सली जोड़ों ने मीडिया से कहा कि मुख्यधारा में जुड़ने के बाद हमें नई जिंदगी मिली है। इस योजना से जीवनसाथी के साथ खुशहाल भविष्य का सपना साकार हो रहा है। इस अवसर पर कलेक्टर बीएस उइके, पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर, जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर, जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पाण्डेय के अलावा पूर्व विधायक संतोष उपध्याय, राजिम नगर पालिका अध्यक्ष महेश यादव, विभिन्न जनपद पंचायतों के अध्यक्षगण मती इंद्राणी साहू, मती मीरा ठाकुर, सोहन ध्रुव तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

बौद्ध परंपराओं के साथ छह नवदंपत्तियों ने लिया जीवनभर साथ निभाने का संकल्प

मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना के राज्य स्तरीय आयोजन में आज सामाजिक समरसता और सर्वधर्म सद्भाव का सुंदर दृश्य देखने को मिला, जब बौद्ध धर्म के अनुयायी छह नवदंपत्तियों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सान्निध्य में वैवाहिक जीवन में प्रवेश किया। बौद्ध परंपराओं के अनुरूप संपन्न हुए इस विवाह ने मानवीय मूल्यों, करुणा और समानता के संदेश को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर बौद्धाचार्य भंते श्री ओमप्रकाश सहारे ने बताया कि बौद्ध रीति-रिवाजों के अनुसार महाकारुणिक भगवान गौतम बुद्ध एवं बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया गया। इसके पश्चात नवदंपत्तियों ने त्रिशरण और पंचशील ग्रहण कर धम्म वंदना, बुद्ध वंदना एवं संघ वंदना की तथा जयमंगल अष्टगाथा के पाठ के साथ जयमाला द्वारा एक-दूसरे को जीवनसाथी के रूप में स्वीकार किया।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से नारी निकेतन की बालिका को मिला सुरक्षित भविष्य

जब अपनों से जीवन की राह में सहारा छूट गया, तब छत्तीसगढ़ शासन की मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना शालू के जीवन में आशा की नई किरण बनकर आई। ओटगन निवासी शालू आज मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के ग्राम माहुद मचांदुर निवासी श्री दीपक कुंजाम के साथ वैवाहिक जीवन में बंध गई। यह विवाह न केवल दो व्यक्तियों का मिलन था, बल्कि संवेदनशील शासन और सामाजिक सहयोग की जीवंत मिसाल भी बना। शालू के जीवन में संघर्षों की लंबी श्रृंखला रही। पिता का कैंसर से निधन और मां का कोरोना काल में असमय चले जाना, फिर पारिवारिक परिस्थितियों के चलते भाई-बहनों से बिछड़ना—इन सभी कठिन परिस्थितियों में शालू अकेली पड़ गई। इस दौरान उनका स्वास्थ्य भी गंभीर रूप से प्रभावित हुआ। ऐसे समय में ओटगन की पूर्व सरपंच श्रीमती संजीता दीवान ने मानवीय संवेदना दिखाते हुए उन्हें सखी सेंटर पहुंचाया, जहां से बेहतर देखभाल के लिए शालू को नारी निकेतन भेजा गया। नारी निकेतन की अधीक्षिका प्रीति मिश्रा ने बताया कि संस्थान में शालू की नियमित देखभाल, उपचार और परामर्श से उनका स्वास्थ्य बेहतर हुआ। शालू की सहमति से उनके भविष्य को सुरक्षित करने हेतु जीवन साथी की तलाश प्रारंभ की गई। इसी क्रम में खम्हारडीह क्षेत्र में पुलिस कार्य से जुड़े श्री दीपक कुंजाम ने शालू से विवाह का प्रस्ताव रखा।

4 आत्मसमर्पित नक्सली बंधे विवाह बंधन में मुख्यधारा में लौटकर सराहा राज्य सरकार की योजना

विजय मत/रायपुर

रायपुर। छत्तीसगढ़ की साय सरकार की संवेदनशील और कल्याणकारी सोच का प्रतीक बनी मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत मंगलवार को राजिम के नवीन मेला मैदान में 283 जोड़ों का सामूहिक विवाह धूमधाम से संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक आयोजन के मुख्य अतिथि प्रदेश के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल रहे, जिन्होंने नवदंपतियों को आशीर्वाद प्रदान किया। अध्यक्षता राजिम विधायक रोहित साहू ने की। राज्य सरकार की इस योजना ने जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक बोझ से मुक्ति दिलाई है, जो समाज के हर वर्ग के लिए वरदान साबित हो रही है।

योजना की सबसे प्रेरणादायक कहानी रही चार आत्मसमर्पित नक्सली जोड़ों की। कांकेर, सुकमा और बीजापुर जिले से इन जोड़ों ने मुख्यधारा में लौटकर नई जिंदगी अपनाई है। इनमें दिलीप उर्फ संतु, मंजुला उर्फ लखमी, दीपक उर्फ भीमा मंडावी, सुनीता उर्फ जुनकी, कैलाश उर्फ भीमा, रनीता उर्फ पायकी कारम तथा राजेंद्र उर्फ कोसा मुरिया, जैनी उर्फ देवे मड़कम शामिल हैं। विवाह मंत्रोचार के बीच विवाह बंधन में बंधे इन नवदंपतियों ने राज्य सरकार की पुनर्वास नीतियों की तारीफ की। नक्सली जोड़ों ने मीडिया से कहा कि मुख्यधारा में जुड? के बाद हमें नई जिंदगी मिली है।

इस योजना से जीवनसाथी के साथ खुशहाल भविष्य का सपना साकार हो रहा है।संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि आज के दौर में बेटी की शादी हर परिवार के लिए बड़ी चिंता का विषय बन गई है, लेकिन छत्तीसगढ़ की साय सरकार की मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना ने इसे सुलझा दिया है। इस योजना के तहत प्रति जोड़े 50 हजार रुपये की सहायता दी जाती है, जिसमें 35 हजार रुपये वधु के बैंक खाते में सीधे हस्तांतरित होते हैं।

सार समाचार

मरीन ड्राइव एम्फीथिएटर में विद्यार्थियों ने बिखेरा हुनर, बच्चों से वरिष्ठों तक ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

विजय मत/रायपुर। कला और संस्कृति को प्रोत्साहन देने की दिशा में रायपुर शहर में एक सराहनीय पहल देखने को मिल रही है। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में संचालित कला केंद्र रायपुर आज स्थानीय प्रतिभाओं के लिए एक सशक्त मंच बनकर उभर रहा है। इसी कड़ी में तेलीबांधा स्थित मरीन ड्राइव के ओपन एम्फीथिएटर में आयोजित भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम ने शहरवासियों को कला के रंगों से सराबोर कर दिया। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह की दूरदर्शी सोच से शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य शहर के युवाओं एवं नागरिकों को कला की विभिन्न विधाओं में प्रशिक्षण और मंच उपलब्ध कराना है। मात्र 500 रुपये के नाममात्र शुल्क पर संचालित यह केंद्र बिना किसी आयु सीमा के सभी के लिए खुला है, जिससे हर वर्ग के लोग अपनी प्रतिभा को निखार पा रहे हैं। कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर डॉ गौरव सिंह, नगर निगम आयुक्त विश्वदीप एवं जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। इस अवसर पर नगर निगम रायपुर की संस्कृति उप आयुक्त डॉ अंजली शर्मा की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शहरवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मंच पर कला केंद्र के विद्यार्थियों ने वायलिन, तबला, हारमोनियम, सुगम संगीत, गायन, कथक एवं वेस्टर्न डांस जैसी विविध प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। खास बात यह रही कि बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक सभी आयु वर्ग के कलाकारों ने आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुति दी।

पीएमजी एवं प्रगति परियोजनाओं की मुख्य सचिव ने की समीक्षा

विजय मत/रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ राज्य के अंतर्गत केन्द्र शासन की पीएमजी प्रगति परियोजनाओं के अंतर्गत आने कार्यों की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि छत्तीसगढ़ में पीएमजी एवं प्रगति पोर्टल के अंतर्गत आने वाली परियोजनाओं से संबंधित सभी कार्यों को आपसी समन्वय से निपटाएं। उन्होंने टेलीकॉम, वन तथा एससीसीएल, रेल्वे एवं अन्य संबंधी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए है कि वे परियोजनाओं के कार्य को गतिशील बनाने के लिए कार्य करें। बैठक में वाणिज्य एवं उद्योग के सचिव श्री रजत कुमार, इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी के सचिव अंकित आनंद सहित वन, रेल्वे, खनिज एवं जिलों के कलेक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए।

छत्तीसगढ़ में 'जियोटेक्सटाइल' पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान: बृजमोहन अग्रवाल

विजय मत/नई दिल्ली/रायपुर

जैसे-जैसे भारत का राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन नवाचार और अनुसंधान के लिए प्राप्त 1,100 से अधिक आवेदनों के साथ गति पकड़ रहा है, इस तकनीक के स्थानीयकरण को लेकर एक नई चर्चा शुरू हो गई है। मंगलवार को लोकसभा में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने एक रणनीतिक बदलाव की वकालत की और छत्तीसगढ़ के विकास और स्थानीय संसाधनों के अधिकतम उपयोग को लेकर अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। श्री अग्रवाल ने मांग की कि, छत्तीसगढ़ जैसे उच्च क्षमता वाले राज्यों को उनकी व्यापक बुनियादी ढांचे की जरूरतों को पूरा करने के लिए 'जियोटेक्सटाइल' उत्पादन के केंद्र के रूप में विकसित किया जाना चाहिए।

छत्तीसगढ़ की बुनियादी जरूरतों को तकनीकी नवाचार से जोड़ने की पहल बृजमोहन अग्रवाल ने वस्त्र मंत्रालय से एनटीटीएम के तहत आवंटित 1,480 करोड़ रुपये के कोष के वास्तविक उपयोग पर सवाल किए। साथ ही उन्होंने मांग की कि मिशन की अप्रयुक्त धनराशि को एमएसएमई क्षेत्र में प्रौद्योगिकी अपनाने और क्षेत्रीय परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना के लिए पुनः प्राथमिकता के आधार पर आवंटित किया जाए। उन्होंने दिसंबर 2025 तक मिशन के तहत जारी और उपयोग की गई धनराशि के बीच के अंतर पर स्पष्टीकरण मांगा, ताकि विकास की गति में पारदर्शिता बनी रहे। साथ ही विशेष रूप से छत्तीसगढ़ में जियोटेक्सटाइल के स्वदेशी उत्पादन के लिए विशेष सहायता की आवश्यकता पर बल दिया। सांसद श्री अग्रवाल के सवालों का जवाब देते हुए केंद्रीय वस्त्र राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने बताया कि मिशन के तहत अब तक 1100 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं और 506.73 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। मिशन के तहत विशेष रूप से जियोटेक्सटाइल को समर्पित 22 अनुसंधान परियोजनाओं को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल का कहना है कि, छत्तीसगढ़ में व्यापक स्तर पर खनन और सड़क निर्माण की परियोजनाएं संचालित हैं। इन क्षेत्रों में 'जियोटेक्सटाइल' की भारी मांग है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि छत्तीसगढ़ के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को स्वदेशी उत्पादन के लिए तकनीकी और वित्तीय सहायता दी जाती है, तो इससे न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के सपने को मजबूती मिलेगी।

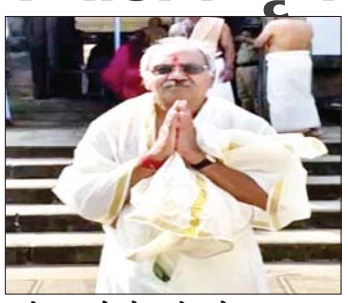

असम के मुख्यमंत्री ने किया भूपेश बघेल सहित 3 कांग्रेस नेताओं पर 500 करोड़ का मानहानि केस

विजय मत/बीजापुर

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेता जितेंद्र सिंह, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और असम कांग्रेस के प्रेसिडेंट गौरव गोगोई के खिलाफ मानहानि का केस किया है, जिसमें 500 करोड़ के हजार्ने की मांग की गई है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए तीनों नेताओं ने जानबूझकर उनके खिलाफ झूठे, गलत इरादे वाले और बदनाम करने वाले आरोप लगाए।

इस बीच, गोगोई ने पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री के इस कदम को घबराहट का संकेत बताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि अगर मुख्यमंत्री में हिम्मत है, तो उन्हें शरण लेने के बजाय कोर्ट में खुलकर लोगों का सामना करना चाहिए।

गौरतलब है कि 4 फरवरी को असम कांग्रेस के प्रेसिडेंट गौरव गोगोई ने आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के परिवार ने राज्य में करीब 12,000 बीघा जमीन पर गैर-कानूनी तरीके से कब्जा कर लिया है, जो 3,960 एकड़ से ज्यादा एरिया में फैला है। मुख्यमंत्री सरमा को हाल ही में धार्मिक भेदभाव को लेकर दिए गए अपने बयानों के लिए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जजों और सिविल सोसाइटी के अलग-अलग तबकों की आलोचना का सामना करना पड़ा है।

इस बैकग्राउंड में, जमीन से जुड़े आरोप सामने आने के बाद यह मुद्दा और भी गरमा गया है। इन आरोपों के जवाब में मुख्यमंत्री ने साफ किया है कि वे गौरव गोगोई समेत कांग्रेस नेताओं के खिलाफ कानूनी मानहानि का केस चलाएंगे।

युवा करियर में आगे बढ़ने की सोचें और नशे से रहे दूर: डॉ. संजीव

विजय मत, रायपुर

दुर्गा महाविद्यालय में मंगलवार से कला वाटिका का आयोजन किया गया.

उक्त जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी राजकुमार राठी ने बताया की महाविद्यालय और एल्युमिनी मीट एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में आर्ट्स के विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक मॉडल का प्रदर्शन किया। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में रायपुर के पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला शामिल हुए। इस अवसर पर शिल्पा ने कहा कि आज के युवा अपने करियर में आगे बढ़ने की सोचें, आज अगर बेहतर किया जाए तो भविष्य उज्ज्वल और सुखमय होगा।

साथ ही युवा नशे से दूर रहें, अपने शहर को स्वच्छ बनाने की दिशा में काम करें। विशिष्ट अतिथि पद्मश्री मदन चौहान ने कहा कि आज की पीढ़ी ज्यादा समझती है, बस सही मार्गदर्शन की जरूरत है। अतिथि पद्मश्री व पंडवानी गायिका ऊषा बारले ने कार्यक्रम को संबोधित किया।

धान के साथ वैकल्पिक फसलों की ओर बढ़ते धमतरी के किसान, रागी की खेती में बढ़ी भागीदारी

- रागी की खेती में बढ़ी भागीदारी

विजय मत, रायपुर

धमतरी जिले में कृषि क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव के संकेत स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। पारंपरिक धान फसल के साथ-साथ अब किसान फसलचक्र परिवर्तन को अपनाते हुए दलहन, तिलहन एवं मोटे अनाजों की खेती की ओर अग्रसर हो रहे हैं। सरसों, चना, मक्का के साथ-साथ रागी (मंडुआ) की खेती में भी जिले में निरंतर वृद्धि दर्ज की जा रही है। यह परिवर्तन न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रहा है, बल्कि भूमि की उर्वरता बनाए रखने और जल संरक्षण की दिशा में भी उपयोगी साबित हो रहा है।

जिले में वर्तमान रबी मौसम के दौरान दलहन फसलों के अंतर्गत चना, अरहर एवं मसूर की खेती की जा रही है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार जिले में दलहन फसलें लगभग 18,450 हेक्टेयर क्षेत्र में बोई गई हैं, जिनमें चना का क्षेत्रफल लगभग 14,200 हेक्टेयर, अरहर 2,150 हेक्टेयर एवं मसूर लगभग 2,100 हेक्टेयर है। वहीं तिलहन फसलों में सरसों प्रमुख रूप से किसानों द्वारा अपनाई जा रही है।

स्वस्थ नागरिक, सुरक्षित समाज का संकल्प है केंद्रीय बजट : शताब्दी

विजय मत, रायपुर

भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता शताब्दी पाण्डेय ने संसद में प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026 का स्वागत करते हुए इसे मानवीय विकास का नया अध्याय बताया है। श्रीमती पाण्डेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पेश किया गया यह बजट केवल आर्थिक आँकड़ों का दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक के लिए स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और गरिमापूर्ण जीवन की गारंटी देता है। पाण्डेय ने कहा कि केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य को केवल इलाज की व्यवस्था से बाहर निकालकर एक सशक्त सार्वजनिक प्रणाली बनाया है। जिला अस्पतालों की क्षमता वृद्धि और टेली-मेडिसिन के विस्तार से छत्तीसगढ़ जैसे आदिवासी बहुल प्रदेश के दूरस्थ अंचलों तक विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाएँ सुलभ होंगी। अब इलाज के लिए शहरों पर निर्भरता कम होगी, जो सामाजिक न्याय की दिशा में बड़ा कदम है। श्रीमती पाण्डेय ने कहा कि स्वस्थ समाज की नींव पोषण से ही संभव है। बजट में मोटे अनाज (मिलेट्स) और स्थानीय खाद्य प्रणाली को बढ़ावा देना यह दशार्ता है कि सरकार जमीन से जुड़ी समस्याओं का स्थानीय स्तर पर स्थायी समाधान निकाल रही है। आंगनबाड़ी सेवाओं को सशक्त करने की पहल से भविष्य की पीढ़ी सुरक्षित होगी। यह बजट स्वस्थ शरीर, संतुलित मन और सुरक्षित जीवन के साथ एक सशक्त भारत की नींव रखने वाला 'विश्वास का बजटइ है। स्वास्थ्य क्षेत्र को केवल सेवा प्रदाय का माध्यम नहीं, बल्कि रोजगार सृजन के एक सशक्त क्षेत्र के रूप में देखने की सोच भी इस बजट में दिखाई देती है। नर्सिंग, पैरामेडिकल, सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता, पोषण कार्यकर्ता और केयर सेवाओं से जुड़े कौशल विकास से युवाओं और महिलाओं के लिए विशेषकर ग्रामीण भारत में नई संभावनाएँ खुल सकती हैं।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ने विशेष रूप से महिला स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रावधानों पर जोर देते हुए कहा, पहली बार महिला स्वास्थ्य को केवल मातृत्व तक सीमित न रखकर पूरे जीवन-चक्र के नजरिए से देखा गया है।

सरकार प्रदेश का कर रही है सर्वांगीण विकास: मंत्री टंकराम

- 5 लाख रुपये की लागत से मुक्तिधाम अहाता तथा 5 लाख रुपये की लागत से बाल समाज शामिल

विजय मत/रायपुर

राजस्व मंत्रटंकराम वर्मा मंगलवार को विकासखंड सिमगा के ग्राम खिलौरा पहुंचे, जहां उनके प्रथम आगमन पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर मंत्र्श्रवर्मा ने ग्राम खिलौरा में लगभग डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण एवं प्रस्तावित विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। लोकार्पित कार्यों में 15 लाख रुपये की लागत से निर्मित प्रार्थना शेड, 1 करोड़ 2 लाख रुपये की लागत से निर्मित पान्टंकी, 3 लाख रुपये की लागत से रंगमंच उन्नयन, 5 लाख रुपये की लागत से मुक्तिधाम अहाता तथा 5 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन (बाल समाज) शामिल हैं।

वहीं, 10 लाख रुपये और 9.85 लाख रुपये की लागत से बनने वाले पीडीएस भवन के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन भकिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्व मंत्र्श्रवर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के हर नागरिक के सर्वांगीण विकास के ल्कितसंकल्पित है। पूरे प्रदेश में विकास कार्य तीव्र गति से संचालित हो रहे हैं और शासन की योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचने से लोगों में खुश्और विश्वास का माहौल है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चारों ओर समृद्धि की बयार बह रही है। मंत्र्श्रवर्मा ने उपस्थित स्कूल्बच्चों को शिक्षा के महत्व को समझाते हुए मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिप्रेरित किया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा आशमा पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड , जयस्तभ चौक रायपुर से मुद्रित एवं डी -17, सेक्टर-1 गोंदवारा रोड, एकता नगर गुढ़ियारी रायपुर (छग) से प्रकाशित। **संपादक**- सीता शुक्ला। **प्रधान संपादक**- विजय शुक्ला ।
आर.एन.आई. पंजीयन नं. CHHHIN/2017/75508 (* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायीक क्षेत्र रायपुर (छग) होगा। मो. 8889977997